जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 27 दिसम्बर, 2025

समय किसी का इंतजार नहीं करता...

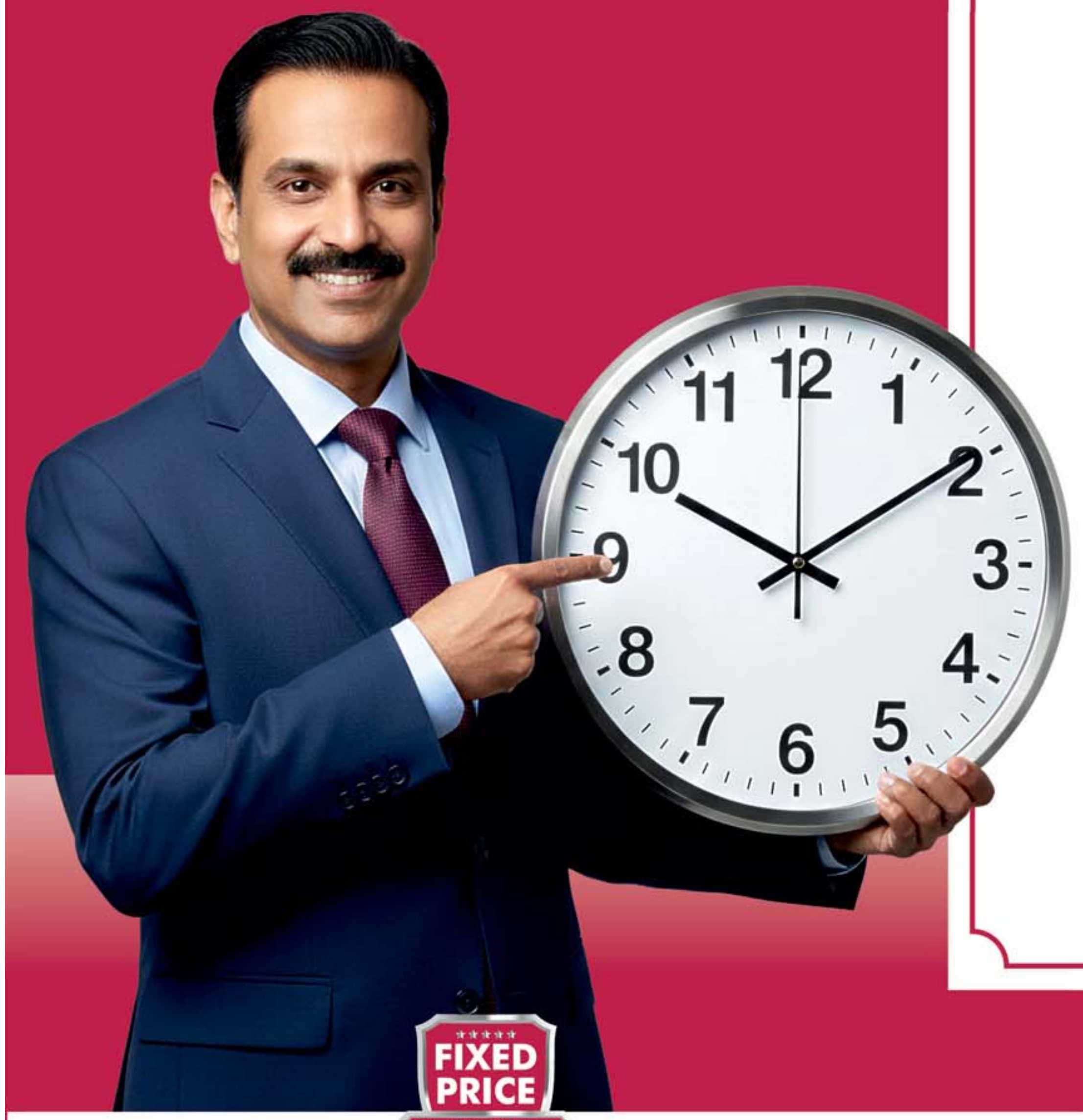

5 दिन में 10 लाख रेट बढ़ेगी

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट छोटी छोटी प्राइस में

कोठी: सिर्फ ₹4700/Sq Ft

फ्लैट: सिर्फ ₹4000/Sq Ft

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025 से शुरु

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सब इंद्रियों को वश में रखकर सर्वत्र समत्व का पालन करके जो दृढ़-अचल और अचिन्त्य, सर्वव्यापी, स्वर्णीय, अविनाशी स्वरुप की उपासना करते हैं, वे सब प्राणियों के हित में लगे हुए मुझे ही पाते हैं। –भगवान कृष्ण

राजस्थान में निजी अस्पतालों की मनमानी एवं सरकार द्वारा नियंत्रण

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पिछले एक दशक में जिस तेजी से बदली है, वह समाज के हर वर्ग को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रही है। राज्य ने जहां एक ओर स्वास्थ्य योजनाओं का विस्तार किया है, वहीं निजी अस्पतालों की अनियंत्रित वृद्धि ने जनता की जेब और जीवन दोनों पर बोझ डाल दिया है। हालात ये हैं कि अब चिकित्सा सेवा कई जगह सेवा न रहकर, मुनाफ़े का माध्यम बन चुकी है। यह प्रवृत्ति समाज के संवेदनशील ढांचे पर सीधी चोट करती है।

राज्य के विभिन्न शहरों में फैले छोटे–बड़े निजी अस्पताल आकर्षक विज्ञापनों और अत्याधुनिक तकनीक के दम पर तेजी से आगे बढ़े हैं, लेकिन उनकी व्यावसायिक मानसिकता ने मरीजों को उपभोक्ता में बदल दिया है। इलाज की फीस, जांचों के शुल्क और दवाओं की कीमतें इस कदर बढ़ चुकी हैं कि मध्यमवर्गीय परिवार किसी गंभीर बीमारी का सामना करने से पहले ही आर्थिक संकट में फंस जाता है। कई बार अस्पताल प्रबंधन मामूली बीमारियों में भी भर्ती की सलाह देकर बिल बढ़ाने की कोशिश करते हैं। कुछ जगहों पर तो भर्ती मरीजों को कई गैर–जरूरी टेस्ट और महंगी दवाएं लिख दी जाती हैं, ताकि अंतिम बिल कई गुना बढ़ सके।

यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब किसी परिवार के सदस्य को अचानक आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसे समय में अस्पताल प्रवेश से पहले भारी एडवांस जमा करने की शर्त रख देते हैं, मानो मानवता नहीं, पैसों की दरकार पहली प्राथमिकता हो। निजी अस्पतालों में पारदर्शिता का अभाव इतना अधिक है कि मरीजों या परिजनों को यह तक नहीं बताया जाता कि कौन–सा उपचार कितना खर्चीला है और उसकी वैकल्पिक व्यवस्था क्या हो सकती है।

राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना जैसी योजनाओं के जरिये स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और किफायती बनाने का प्रयास किया है। उद्देश्य था कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिले। इन योजनाओं में अस्पतालों को बीमा राशि के माध्यम से भुगतान का प्रावधान किया गया है, ताकि मरीज पर प्रत्यक्ष खर्च न पड़े। लेकिन निजी अस्पताल प्रायः इन योजनाओं को लागू करने में कारोबारी सोच से प्रेरित बाधाएं खड़ी करते हैं। कई मरीजों को बीमा कार्ड अस्वीकार की सूचना देकर निजी भुगतान करने को मजबूर किया जाता है। अस्पताल यह तर्क देते हैं कि सरकार की ओर से भुगतान देरी से होता है या निर्दिष्ट राशि अपर्याप्त है।

इस बहाने के पीछे निजी अस्पतालों की लालचपूर्ण मानसिकता छिपी रहती है, क्योंकि जब भुगतान नकद होता है, तो उन्हें अधिक लाभ मिलता है। यह रवैया सरकारी तंत्र की निगरानी क्षमता पर भी सवाल उठाता है। अगर सरकार योजना लागू कर रही है तो यह उसकी जिम्मेदारी है कि भुगतान व्यवस्था समयबद्ध और पारदर्शी रखे। दूसरी ओर अस्पतालों को भी यह समझना होगा कि जनकल्याणकारी योजना केवल सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक नैतिकता का प्रतीक है।

इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि राज्य स्तर पर एक पारदर्शी नियामक संस्था का गठन किया जाए जो विशेष रूप से निजी अस्पतालों की बिलिंग प्रणाली, सेवा गुणवत्ता, और शिकायत निवारण पर निगरानी रखे। विभिन्न रोगों और सर्जरी के लिए शुल्क सीमा तय की जाए, ताकि अस्पताल मनमाने ढंग से मूल्य न बढ़ा सकें। साथ ही, हर अस्पताल को अपने शुल्क और उपचार दरें सार्वजनिक पोर्टल पर प्रदर्शित करनी चाहिए।

राजस्थान में क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट जैसे नियम लागू हैं, परंतु उनका पालन अधिकांश निजी अस्पतालों में सतही रूप से होता है। निरीक्षण दलों की गतिविधियां अक्सर औपचारिक और सीमित होती हैं। कई बार राजनीतिक या आर्थिक प्रभाव के चलते ऐसे अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है। नतीजतन, खास वर्ग का हित बाकी जनसमूह के अधिकारों पर भारी पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और भी चिंताजनक है। कई छोटे कस्बों में नर्सिंग होम या क्लिनिक के नाम पर ऐसे प्रतिष्ठान चल रहे हैं जिनके पास न तो योग्य चिकित्सक हैं, न पर्याप्त संसाधन। गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी, छोटी सर्जरी या इनडोर इलाज जैसे कार्य अर्धप्रशिक्षित लोगों द्वारा किए जा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और मौतों के मामले बढ़ रहे हैं। सरकार के स्वास्थ्य निरीक्षकों की पहुँच वहाँ या तो बहुत सीमित है या फिर स्थानीय प्रभावशाली लोगों के दबाव में निष्क्रिय बनी रहती है।

इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि राज्य स्तर पर एक पारदर्शी नियामक संस्था का गठन किया जाए जो विशेष रूप से निजी अस्पतालों की बिलिंग प्रणाली, सेवा गुणवत्ता, और शिकायत निवारण पर निगरानी रखे। विभिन्न रोगों और सर्जरी के लिए शुल्क सीमा तय की जाए, ताकि अस्पताल मनमाने ढंग से मूल्य न बढ़ा सकें। साथ ही, हर अस्पताल को अपने शुल्क और उपचार दरें सार्वजनिक पोर्टल पर प्रदर्शित करनी चाहिए।

राज्य सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और स्वचालित हो जाए, ताकि भुगतान में विलंब का बहाना समाप्त हो। रोगियों के अधिकारों को लेकर भी जनजागरूकता जरूरी है। यदि जनता को यह जानकारी नहीं होगी कि उसे किस सेवा पर कितना खर्च देना चाहिए, तो शोषण की संभावनाएं बनी रहेंगी।

यह सही है कि निजी अस्पतालों ने आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को राजस्थान में नई ऊँचाई दी है। हृदय रोग, न्यूरो सर्जरी, कैंसर उपचार और अंग प्रत्यारोपण जैसे क्षेत्रों में निजी क्षेत्र का योगदान श्रेष्ठ है। लेकिन जब यही स्वास्थ्य सेवा केवल आर्थिक दृष्टि से चलने लगती है, तब उसका मूल उद्देश्य विकृत हो जाता है। चिकित्सा का मूल भाव 'सेवा' है, न कि 'व्यापार'।

सरकार को चाहिए कि वह नियमन को सख्त करते हुए ईमानदार अस्पतालों का संरक्षण भी करे। ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जिसमें नीति आधारित लाभ उन संस्थानों को मिले जो समाजिक जिम्मेदारी निभाते हैं, जैसे गरीब मरीजों के लिए निशुल्क वार्ड चलाना या ग्रामीण स्वास्थ्य शिविरों में भागीदारी करना। इस प्रकार प्रतिस्पर्धा केवल लाभ में नहीं, बल्कि मानवीय सेवा में भी हो।

राज्य की स्वास्थ्य नीति को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, मानवता के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। अगर डॉक्टरों और अस्पताल संचालकों के मन में यह भावना स्थापित हो जाए कि प्रत्येक मरीज एक जीवन की संभावना है, न कि केवल ठााहक, तो यह समाज पुनः सेवा के उस मूल्य को पा सकता है जो हमारे जीवन दर्शन का मूल रहा है।

अंततः यह समझना होगा कि रोगी की व्यथा केवल शरीर की बीमारी तक सीमित नहीं होती। जब उसे अस्पताल से संवेदनशीलता, ईमानदारी और पारदर्शिता मिलती है, तभी वह उपचार को विश्वास में बदलता है। यही विश्वास किसी भी समाज में स्वास्थ्य सेवा की वास्तविक पूंजी है। राजस्थान जैसे संवेदनशील और जनकल्याणकारी राज्य को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह पूंजी सुरक्षित रहे।

स्वास्थ्य का अधिकार केवल नारा नहीं होना चाहिए, यह एक सामाजिक अनुशासन बने। जब सरकार, अस्पताल और नागरिक तीनों इसकी जिम्मेदारी समान रूप से निभाएँगे, तब ही राज्य का स्वास्थ्य तंत्र जनहित में सशक्त और संतुलित बन सकेगा। यही वह दिशा है जो राजस्थान को इक्कीसवीं सदी के संवेदनशील, सशक्त और स्वास्थ्य–समृद्ध समाज की ओर ले जाएगी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

ट्रंप टैरिफ का भारत पर असर: आशंकाएं, हकीकत और सबक

राम शर्मा

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था में गहरी हलचल पैदा की थी। अमेरिका फर्स्ट के नारे के तहत ट्रंप प्रशासन ने कई देशों से होने वाले आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाए, जिनमें भारत भी शामिल था। उस समय यह आशंका जताई गई थी कि इन टैरिफों से भारत के निर्यात को बड़ा झटका लगेगा और भारतीय उद्योग, विशेषकर निर्यात–आधारित क्षेत्र, गंभीर संकट में आ जाएंगे। लेकिन हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने इस धारणा को काफी हद तक चुनौती दी है और कहा है कि ट्रंप टैरिफ का भारत के कुल निर्यात पर अपेक्षा से कहीं कम असर पड़ा। ट्रंप प्रशासन का तर्क यह था कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर अपेक्षाकृत अधिक आयात शुल्क लगाता है, जबकि अमेरिका भारतीय उत्पादों को कम टैरिफ पर प्रवेश देता रहा है। इसी कथित असंतुलन को दूर करने के नाम पर भारत से आने वाले कुछ उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए। इन उपायों का उद्देश्य अमेरिकी घरेलू उद्योगों को संरक्षण देना और व्यापार घाटा कम करना था। भारत के संदर्भ में यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण माना गया क्योंकि अमेरिका भारत का एक प्रमुख निर्यात बाजार है।

शुरुआती दौर में इन टैरिफों को लेकर भारत में चिंता का माहौल था। आशंका जताई जा रही थी कि वस्त्र, रत्न–आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन, समुद्री उत्पाद और कुछ कृषि वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कई निर्यातक संगठनों ने चेतावनी दी थी कि यदि टैरिफ लंबे समय तक लागू रहे, तो इससे रोजगार, निवेश और औद्योगिक उत्पादन प्रभावित हो सकता है। हालांकि समय के साथ जो तस्वीर सामने आई, वह इन आशंकाओं से काफी अलग निकली।

हाल ही में प्रकाशित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का भारत के निर्यात और अर्थव्यवस्था पर समग्र रूप से बहुत अधिक नकारात्मक असर नहीं पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए, उनका कुल मूल्य भारत के समग्र निर्यात का एक छोटा हिस्सा है। अनुमान के मुताबिक, टैरिफ से प्रभावित निर्यात भारत के कुल निर्यात का दो प्रतिशत से भी कम बैठता है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद पर इसका प्रभाव लगभग 0.2 प्रतिशत तक ही सीमित रहता है।

रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि टैरिफ के बावजूद अमेरिका को भारत का निर्यात पूरी तरह बाधित नहीं हुआ। कुछ महीनों में जरूर उतार–चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर भारतीय निर्यातकों ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया। कई कंपनियों ने लागत में कटौती, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ाने जैसे उपाय अपनाए, जिससे वे अमेरिकी बाजार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने में सफल रहीं। कुछ मामलों में तो ऊंचे टैरिफ के बावजूद भारतीय उत्पादों की मांग बनी रही, क्योंकि उनकी कीमत और गुणवत्ता प्रतिस्पर्धी थी।

सरकारी आंकड़े भी इसी रुझान की पुष्टि करते हैं। सरकार ने संसदीय समितियों और अन्य मंचों पर यह स्पष्ट किया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत के कुल निर्यात में कोई बड़ी गिरावट दर्ज नहीं की गई। कुछ अवधियों में अमेरिका को भारत के निर्यात में वृद्धि भी देखने को मिली, जो यह दर्शाता है कि टैरिफ का असर सीमित और असमान रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की निर्यात संरचना में विविधता और घरेलू बाजार की मजबूती ने इस झटके को सहने में मदद की।

हालांकि यह कहना भी जरूरी है कि सभी क्षेत्रों पर टैरिफ का प्रभाव एक जैसा नहीं रहा। श्रम–प्रधान उद्योगों, जैसे वस्त्र, चमड़ा और रत्न–आभूषण क्षेत्र में दबाव महसूस किया गया। इन क्षेत्रों में मुनाफा घटा और कुछ निर्यात ऑर्डर प्रभावित हुए। छोटे और मझोले निर्यातकों के लिए स्थिति अपेक्षाकृत कठिन रही, क्योंकि उनके पास लागत बढ़ने की भरपाई करने के सीमित साधन थे। इसके बावजूद यह असर इतना व्यापक नहीं था कि भारत की समग्र आर्थिक दिशा को बदल सके।

इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू मांग पर आधारित है। निर्यात का योगदान जीडीपी में अपेक्षाकृत सीमित है, जबकि सेवा क्षेत्र, उपभोग और आंतरिक निवेश अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। यही वजह है कि अमेरिका जैसे बड़े बाजार में टैरिफ बढ़ने के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि पर इसका प्रभाव सीमित रहा।

ट्रंप टैरिफ ने भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सबक भी छोड़ा है। यह स्पष्ट हो गया कि किसी एक बड़े बाजार पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम पैदा कर सकती है। इसी सोच के तहत भारत ने हाल के वर्षों में निर्यात बाजारों के विविधीकरण पर जोर दिया है। यूरोप, मध्य–पूर्व, अफ्रीका और एशियाई देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की कोशिशें तेज हुई हैं। मुक्त व्यापार समझौतों और क्षेत्रीय साझेदारियों के माध्यम से भारत अपने निर्यातकों के लिए नए अवसर तलाश रहा है।

कुल मिलाकर, हालिया रिपोर्ट और उपलब्ध आंकड़े यह संकेत देते हैं कि ट्रंप टैरिफ को लेकर जो आशंकाएँ व्यक्त की जा रही थीं, वे पूरी तरह सही साबित नहीं हुईं। भारत के निर्यात पर इसका असर सीमित रहा और अर्थव्यवस्था ने इसे अपेक्षाकृत सहजता से झेल लिया। यह भारत की आर्थिक संरचना, नीति–संतुलन और अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है। भविष्य में यदि वैश्विक व्यापार में ऐसे संरक्षणवादी कदम उठाए जाते हैं, तो भारत के पास उनसे निपटने का अनुभव और क्षमता दोनों मौजूद हैं।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

शिल्पग्राम उत्सव : बंगाल के राय बेंसे लोक नृत्य का छाया जादू

मंच पर राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति के सहरिया स्वांग डांस व सफेद आंगी गेर ने दर्शकों का मन मोह लिया।

सिर पर दीपक (समई) रख नऊवारी साड़ी पहनी नर्तकियों ने गोवा का प्रसिद्ध समई नृत्य किया।

उदयपुर, (कासं)। शिल्पग्राम उत्सव–2025 के तहत खचाखच भरे मुक्ताकाशी मंच पर दर्शकों में उस वक्त नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हो गया, जब पश्चिम बंगाल के राय बेंसे लोक नृत्य में नर्तकों ने शानदार एक्रोबेटिक युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया। राय बेंसे पश्चिम बंगाल का एक पारंपरिक लोक नृत्य है, जो मुख्य रूप से बीरभूम, बर्धमान और मुर्शिदाबाद जिलों में किया जाता है। इसमें नर्तकों ने शौर्य और युद्ध कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को खूब रोमांचित किया।

यह नृत्य शैली केवल पुरुषों द्वारा प्रस्तुत की जाती है। इसमें जोश, ताकत और तालमेल का खूबसूरत प्रदर्शन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। यह प्रस्तुति शुक्रवार शाम उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित किए जा रहे दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव में दी गई। इसके साथ ही बंगाल के ही नटुआ नृत्य में मार्शल आर्ट की नृत्य शैली में प्रस्तुती देख दर्शक वाह–वाह कर उठे।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के प्रयागराज क्षेत्र के पारंपरिक ढेड़िया लोक नृत्य ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया। इसमें नर्तकियों ने सिर पर मिट्टी का घड़ा (दीया रखकर) संतुलन का बेहतरीन प्रदर्शन किया तो शिल्पग्राम दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसमें गीत और नृत्य के तालबद्ध सामंजस्य ने तमाम सामयीन के दिलों को झंकृत कर यूपी की लोक संस्कृति से दर्शकों को रू–ब–रू कराया। इस शाम की हर प्रस्तुति ने उत्सव की 'लोक के रंग–लोक के संग' थीम पर खरी उतरते हुए सुधी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इनमें जम्मू के पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य जगरना के साथ ही राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति के

■ राय बेंसे में नर्तकों ने शौर्य और युद्ध कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित किया

सहरिया स्वांग डांस व सफेद आंगी गेर ने भी सभी का मन मोह लिया। उत्तराखंड के मीठी छेड़छाड़ वाले छापेली लोक नृत्य को दर्शकों ने खूब सराहा, तो सिर पर दीपक (समई) रख नऊवारी साड़ी पहनी नर्तकियों ने जब गोवा का प्रसिद्ध समई नृत्य किया तो बैलेंसिंग, हाव–भाव व लयबद्धता सामयीन को खूब पसंद आई। वहीं, त्रिपुरा के सिर पर बोतल रख बेमिसाल बैलेंसिंग के लोक नृत्य होजागिरी देख अभिभूत हुए दर्शकों ने खूब दाद दी। इनके साथ ही महाराष्ट्र के मल्लखंभ और मणिपुर की मार्शल आर्ट से लबरेज फोक प्रस्तुति थांग–ता ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं, छत्तीसगढ़ के पंडवानी ज्ञान (पांडवों की कथा) ने आध्यात्म के साथ जोश का संचार किया। कार्यक्रम का संचालन मोहिता दीक्षित और यश दीक्षित ने किया।

शिल्पग्राम उत्सव में बंजारा मंच पर चल रहे 'हिवड़ा री हूक' कार्यक्रम के छठे दिन शुक्रवार को भी मेलार्थियों ने खुद गाने, कविता आदि पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए खब एंजॉय किया। वहीं को–ऑर्डिनेटर सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी ने कार्यक्रम को और रोचक बना दिया। क्विज में सही उत्तर देने वालों को हाथों–हाथ उपहार भी दिए जा रहे हैं।

शिल्पग्राम में विभिन्न थड़ों पर सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक अलग–अलग प्रस्तुतियां मेलार्थियों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं। इनमें शुक्रवार को मुख्य द्वार आंगन पर आदिवासी गेर व घूघरा–छतरी (मीणा ट्राइब), आंगन के पास बाजीगर, देवरा पर तेरहताली व भवई, बन्नी पर कुच्छी ज्ञान, सम पर नाद, भूजोड़ी पर बीन जोगी, पिथौरा पर गलालेंग (लोक कथा), पिथौरा चबूतर पर चकरी, बड़ा बाजार पर मांगणियार, बड़ा बाजार (नुक्कड़ पर) पावरी (महाराष्ट्र–गुजरात का कोकणा जनजाति का नाच), गोवा ग्रामीण पर कठपुतली, दर्पण द्वार पर सुंदरी, दर्पण चौक पर सुंदरी की प्रस्तुतियों को देख दर्शकों ने खूब सराहा। वहीं, शिल्पग्राम प्रांगण में विभिन्न स्थानों पर घूमते हुए बहरूपिया मेलार्थियों रिझा रहे हैं। इसके अलावा प्रांगण में कई जगह स्थापित पत्थर के स्कल्पचर्स, खूबसूरत झोंपड़ों सहित कई स्थान मेलार्थियों के फेवरिट सेल्फी पॉइंट्स बन चुके हैं।

रेल खंडों में ट्रैक नवीनीकरण कार्य को स्वीकृति मिली

जोधपुर, (कासं)। भारतीय रेल ने देश की रेल अवसंरचना को आधुनिक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत उत्तर पश्चिम रेलवे के अंतर्गत राई का बाग–फलोदी–जैसलमेर तथा लालगढ़–कोलायत–फलोदी रेल खंडों में व्यापक ट्रैक नवीनीकरण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह परियोजना 850 करोड़ की लागत से क्रियान्वित की जाएगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह प्रस्ताव दो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रेल खंडों की ट्रैक संरचना को आधुनिक और मजबूत बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। इन खंडों पर वर्तमान में पुरानी रेल पटरियां और स्लीपर उपयोग में हैं, जिनका नवीनीकरण सुरक्षा, परिचालन क्षमता और दीर्घकालिक रखरखाव की दृष्टि से आवश्यक माना जा रहा है। परियोजना के तहत पहला खंड राई का बाग–फलोदी–जैसलमेर है, जिसकी कुल लंबाई 291.126 किलोमीटर है। इस मार्ग पर वर्तमान में

■ उत्तर पश्चिम रेलवे के अंतर्गत राई का बाग-फलोदी-जैसलमेर तथा लालगढ़-कोलायत-फलोदी रेल खंडों में व्यापक ट्रैक नवीनीकरण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है, यह परियोजना 850 करोड़ की लागत से क्रियान्वित की जाएगी

स्थापित रेल पटरियों का रोलिंग मार्क वर्ष 2005 का है, जिन्हें 2006 में बिछाया गया था। लंबे समय से परिचालन में रहे इस ट्रैक के नवीनीकरण को रेलवे प्रशासन ने तकनीकी आवश्यकता के रूप में चिन्हित किया था, जिसके बाद विस्तृत सर्वेक्षण और आंकलन के आधार पर यह प्रस्ताव तैयार किया गया। दूसरा खंड लालगढ़–कोलायत–फलोदी है, जिसकी लंबाई 73.742 किलोमीटर है। इस खंड में उपयोग में लाई जा रही रेल पटरियों का रोलिंग मार्क 2004 से 2006 के बीच का है और इन्हें 2006–07 के दौरान बिछाया गया था। अधिकारियों के अनुसार दोनों ही खंडों पर ट्रैक संरचना की वर्तमान स्थिति को देखते हुए नवीनीकरण कार्य को प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया था। इससे पहले वित्त विभाग ने इस परियोजना के लिए प्रति किलोमीटर 2.84 करोड़ की लागत को स्वीकृति प्रदान कर दी थी।

राशिफल

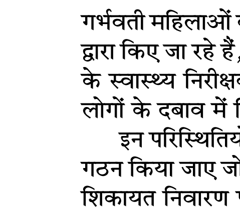

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 27 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 9:10 तक, व्यतिपात योग दिन 12:21 तक, वणिज करण दिन 1:10 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–धनु, चन्द्रमा–मीन, मंगल–धनु, बुध–वृश्चिक, गुरू–मिथुन, शुक्र–धनु, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 9:10 तक है। आज भद्रा दिन 1:10 से रात्रि 12:35 तक रहेगी। आज गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती, पंचक, व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:36 से 9:53 तक, चर 12:28 से 1:45 तक, लाभ–अमृत 1:45 से 4:20 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:18, सूर्यास्त 5:37

मेष
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनावश्यक खर्च होगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

मकर
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 56 प्रभात उदयपुर, शनिवार 27 दिसम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

रेगिस्तान को आगे बढ़ने से अरावली के पहाड़ों ने रोका हुआ है- पायलट

सचिन पायलट के नेतृत्व में हज़ारों कार्यकर्ताओं ने ''अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ'' मार्च निकाला

जयपुर, 26 दिसम्बर। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) राजस्थान का जयपुर में ''अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ'' अभियान के तहत सचिन पायलट के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। सचिन पायलट पैदल मार्च में शामिल होने के लिए पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से नारेबाजी करते हुए उनका स्वागत किया, जिस पर पायलट ने भी हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। इस दौरान विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, मनीष यादव और रामनिवास गावड़िया भी मौजूद थे।

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रैली में कहा कि अवैध खनन तो आप रोक नहीं पा रहे, पर कोर्ट में जाकर सरकार बोलती है कि 100 मीटर की पहाड़ी को ही अरावली पर्वत माना जाएगा।**

सचिन पायलट ने कहा, हमें इस बात पर चिंतन करना होगा कि क्या मजबूरी है। किस कारण से इस अरावली की पूरी पहाड़ियों को बीजेपी खतरे की ओर धकेल रही है। आज भी सैकड़ों जगह अरावली की पहाड़ियों पर अवैध खनन चल रहा है। बच्चा-बच्चा जानता है। आप कोर्ट में क्या हलफनामा देते हो, यह अलग बात है।

उन्होंने कहा, आप धरातल पर जाकर देखो सैकड़ों लोग न जाने किसके दबाव में, किसके आशीर्वाद से लगातार अवैध खनन कर रहे हैं। अवैध खनन को आप रोक नहीं पा रहे। कोर्ट में जाकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व में शुक्रवार को जयपुर में एनएसयूआई ने ''अरावली बचाओ'' पैदल मार्च निकाला। इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। भाजपा के वीवी राजेश को शुक्रवार दोपहर को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के मेयर पद की शपथ दिलाई गई। यह इस दक्षिणी राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था।

शपथ ग्रहण के बाद अपनी पहली टिप्पणी में उन्होंने कहा, ''हम सब एक साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। सभी को साथ लेकर, सभी 101 वार्डों का विकास किया जाएगा। तिरुवनंतपुरम को एक विकसित शहर में बदल दिया जाएगा।''

भाजपा ने दिसंबर की शुरुआत में हुए तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भारी चमत्कारी जीत हासिल की। उसने 101 सीटों में से 50 सीटें जीतीं।

- **भाजपा ने केरल में इतिहास रच दिया, राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा के वी.वी. राजेश को मेयर चुना गया।**

राजेश एक ऐसे राज्य में मेयर बने है, जहाँ छः माह से कम समय बाद विधानसभा चुनाव होने हैं तथा जहाँ भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक रूप से जबरदस्त संघर्ष करना पड़ा है, यह कभी केरल में सत्ता में नहीं रही यहाँ अब तक केवल एक विधायक, ओ. राजगोपाल ने 2016 में नेमोम सीट जीती थी और एक सांसद- अभिनेता सुरेश गोपी ने 2024 में त्रिशूर सीट जीती थी।

45 वर्षीय राजेश ने शुक्रवार सुबह के मतदान में 51 वोट प्राप्त किए, जो 100 सदस्यीय सदन में आधे से एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लखनऊ का ''राष्ट्र प्रेरणा स्थल'' उद्घाटन के साथ ही विवादों में घिरा

विपक्ष ने कहा, तीनों ब्राह्मण नेताओं की मूर्ति ही क्यों लगाई गई

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। प्रतिमाओं की राजनीति ने उस समय जोर पकड़ लिया, जब लखनऊ में ''राष्ट्र प्रेरणा स्थल'' का उद्घाटन किया गया, जिसमें जनसंघ/भाजपा के तीन दिग्गजों की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं: अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय। 230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह स्मारक 65 एकड़ में फैला हुआ है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को स्मारक का उद्घाटन करते हुए कहा था कि इस आयोजन का उद्देश्य भारत के हर बच्चे के योगदान को सम्मानित करना है, जो कि पिछली सरकारों की उस नीति से अलग है, जिसमें सभी उपलब्धियों का श्रेय केवल एक परिवार (नेहरू-गांधी) को दिया जाता था। लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम के नेताओं ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि इन तीन ब्राह्मण नेताओं के चयन से भाजपा की ओबीसी, आदिवासियों और पिछड़ों के प्रति नफरत झलकती है।

लखनऊ को अब भारत की प्रतिमा राजधानी के रूप में माना जाने लगा है। समाजवादी पार्टी के शासन में राम मनोहर लोहिया और जनेश्वर मिश्र के नाम पर दो पार्क बनाए गए थे, जिनमें उनकी मूर्तियां थीं। मायावती ने मुख्यमंत्री के रूप में ''दलित प्रेरणा स्थल'' का निर्माण किया था।

- **विपक्षी नेताओं ने कहा, तीन ब्राह्मण नेताओं, अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीन दयान उपाध्याय की मूर्ति लगाना भाजपा की दलित व पिछड़ा विरोधी मानसिकता का प्रतीक है।**
- **यह चर्चा भी हो रही है कि कल्याण सिंह, जो एक ओबीसी (लोध) नेता थे, की अनदेखी क्यों की गई, जबकि उन्हीं के कार्यकाल में बाबरी मस्जिद टूटी थी।**
- **अयोध्या आंदोलन के मुख्य शिल्पी रहे लालकृष्ण अडवानी तथा मुरली मनोहर जोशी को नहीं बुलाना भी चर्चा का विषय रहा।**

भाजपा ने स्मारक के निर्माण के लिए मायावती की कड़ी आलोचना की थी, क्योंकि उन्होंने दलित नेताओं, जैसे कांशी राम और नारायण गुरु की प्रतिमाओं के साथ-साथ, अपनी खुद की प्रतिमा भी स्थापित करवाई थी।

इस मौके पर भाजपा के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र की राजनीति में एक और ''फैमिली रीयूनियन'' सन्निकट

शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार पुणे व मुम्बई नगर निगम चुनाव के लिए हाथ मिला सकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। ऐसा लगता है कि अपने-अपने गठबंधन के नेताओं द्वारा दबाव में आने के कारण नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार और अजित पवार गुट महाराष्ट्र में एक बड़े पारिवारिक और राजनीतिक पुनर्मेल की ओर बढ़ रहे हैं, जो आगामी संसदीय और राज्य चुनावों से कुछ ही सप्ताह पहले हो रहा है। ये चुनाव 2029 में होंगे।

शुक्रवार दोपहर को चाचा और भतीजा पुणे नगर निगम चुनाव के लिए सीट बंटवारे की बातचीत पूरी करने के कगार पर पहुंच गए थे, यह उन 29 नगरपालिका निकायों में से एक है, जहाँ अगले माह चुनाव होने हैं। इनमें 74,000 करोड़ रुपये की आय वाले मुंबई नगर निगम का चुनाव भी शामिल है। अजित पवार, जुलाई 2023 में अपने चाचा से अलग होकर 18

- **शुक्रवार की शाम चाचा (शरद पवार) भतीजा (अजीत पवार) के बीच पुणे नगर निगम के चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की वार्ता अंतिम चरण में पहुँच गई।**
- **बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने भी हाथ मिला लिया और इस नई व्यवस्था में महाराष्ट्र विकास अघाडी गठबंधन में शिव सेना की सहयोगी पार्टियां, कांग्रेस व एनसीपी (शरद) खुद को अलग-थलग महसूस कर रही हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. मनमोहन सिंह की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने देश के आर्थिक पुनरोद्धार में योगदान के लिए डॉ. मनमोहन सिंह की सराहना की।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेगम ज़िया की पार्टी बी.एन.पी. शुरु से जमाती (कट्टरपंथी) तत्वों पर निर्भर रही है

बी.एन.पी. की ग्रामीण क्षेत्रों में पकड़ बहुत कम थी, अतः पार्टी ''रूरल एरिया'' में जमातियों पर आश्रित रहती थी, समर्थन जुटाने के लिए

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति की लिंचिंग की खबरें आ रही हैं और इसके साथ ही अल्पसंख्यकों, खास तौर पर हिंदुओं, के खिलाफ हिंसा की और भी घटनाएँ सामने आई हैं, हालांकि ईसाई और बौद्ध जैसे दूसरे समुदाय भी हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिनमें लोगों को सीधे धमकाया गया, उनकी ज़मीनों पर कब्ज़ा किया गया और उनकी संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई।

इस हिंसा के बीच एक नया राजनीतिक घटनाक्रम भी हुआ है, जब एक प्रमुख राजनीतिक दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) के निर्वासित प्रमुख सत्रह साल बाद देश लौटे हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम ज़िया-उर-रहमान के बेटे तहरीक़ रहमान अपनी बीमार माँ की देखभाल के लिए वापस आए हैं।

- **अब, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने की इजाज़त नहीं देने के बाद, बांग्लादेश के भावी चुनावों में अजीबोगरीब स्थिति बन गई हैः चुनाव घोर कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों व कुछ कम कट्टरपंथी तत्वों के बीच संघर्ष बन कर रह गया है।**
- **बी.एन.पी. इस संदर्भ में अब अपने आपको मुख्यधारा की ''सैन्ट्रलिस्ट'' पार्टी के रूप में पेश करना चाहती है।**

अवामी लीग के सत्ता में लौटने से पहले बीएनपी देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टी थी, जिसका रुझान साफ तौर पर कट्टरपंथी था। चुनावों में समर्थन के लिए बीएनपी का जमाती समूहों के साथ क़रीबी गठबंधन था। ग्रामीण इलाकों में पार्टी का संगठन और आधार बहुत मज़बूत नहीं था और वह वहाँ समर्थन जुटाने के लिए जमातियों पर निर्भर रहती थी। मौजूदा हालात में, जब आने वाले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गैंग रेप का आरोपी सीईओ 29 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर

उदयपुर, 26 दिसंबर । शहर पुलिस ने कार में गैंगरेप के आरोपी आईटी कंपनी के सीईओ व साथी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड पर लिया है।

प्रकरण के अनुसार, गत दिनों शौभागपुरा स्थित आईटी कंपनी के बर्थडे व ''एण्ड ऑफ इयर'' पार्टी के उपलक्ष में कम्पनी कर्मचारियों के लिए पार्टी का आयोजन किया गया था। पार्टी के बाद कंपनी मैनेजर पीड़िता को कार से घर छोड़ने जा रहा था। कार में उसका एक साथी भी था। रास्ते में पीड़िता से

- **आईटी कंपनी के सीईओ व उसके साथी पर पार्टी के बाद घर छोड़ने जाते समय पीड़िता के साथ गैंग रेप का आरोप है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत व चीन को भिड़ाने के प्रयास में है अमेरिका'

चीन के विदेश मंत्रालय व रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका पर सीधा आरोप लगाया कि अमेरिका विश्व में, विशेषकर, एशिया में, चीन व भारत में मतभेद पैदा कर, अपना सामरिक ''वर्चस्व'' कायम रखना चाहता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। चीन ने गुरुवार को पैंटागन की उस रिपोर्ट पर कड़ा ऐतराज़ जताया जिसमें आरोप लगाया गया था कि बीजिंग भारत के साथ सीमा पर तनाव कम होने की स्थिति का फ़ायदा उठाकर नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच बढ़ती रणनीतिक नज़दीकी को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।

चीनी अधिकारियों ने इस रिपोर्ट को मनगढ़ंत और झूठी कहानियों के ज़रिये देशों के बीच फूट डालने की कोशिश बताया और साथ ही यह भी दोहराया कि चीन भारत के साथ रिश्तों को स्थिर करने और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिकी रक्षा विभाग की कांग्रेस को दी गई सालाना रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि यह दस्तावेज़ चीन की रक्षा नीति को गलत ढंग से पेश करता है और चीन तथा दूसरे देशों के बीच दरार डालने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट का मकसद, अपना सैन्य प्रभुत्व बनाए रखने को औचित्य प्रदान करना है। लिन ने कहा, चीन इस रिपोर्ट का कड़ा विरोध करता है।

खास बात यह है कि लिन ने इस मौके पर भारत के साथ चीन के संबंधों को अल्पकालिक सामरिक दांवपेंच के बजाय दीर्घकालिक रणनीतिक सोच से निर्देशित बताया। उन्होंने कहा कि बीजिंग नई दिल्ली के साथ संबंधों को ''रणनीतिक ऊँचाई और लंबी अवधि के नज़रिये'' से देखता है और वह संवाद बढ़ाने, आपसी भरोसा मजबूत करने, सहयोग को आगे बढ़ाने और मतभेदों को सही ढंग से संभालने के लिए तैयार है, ताकि दोनों देशों के बीच स्थिर द्विपक्षीय रिश्ता आगे बढ़ सके।

पैंटागन रिपोर्ट में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी के ज़िक्र पर लिन ने ज़ोर देकर कहा कि सीमा से जुड़ा मुद्दा पूरी तरह भारत और चीन के बीच का द्विपक्षीय मामला है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सीमा स्थिति सामान्य तौर पर स्थिर है, बातचीत के रास्ते सुचारु रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने किसी तीसरे देश की ओर से की जा रही ''बेबुनियाद और गैर-ज़िम्मेदार टिप्पणियों'' पर आपत्ति जताई। पैंटागन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि चीन एलएसी पर तनाव कम होने का इस्तेमाल भारत के साथ रिश्ते स्थिर करने और अमेरिका-भारत संबंधों को और गहरा होने से रोकने के लिए करना चाहता है। रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक का ज़िक्र किया गया, जो सीमा पर बचे हुए गतिरोध वाले बिंदुओं से पीछे हटने के समझौते के बाद हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक के बाद हर महीने उच्च-स्तरीय बातचीत शुरू हुई जिसमें सीमा प्रबंधन और भरोसा बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई, जिनमें सीधी उड़ानें शुरू करना, वीज़ा प्रक्रिया आसान बनाना और शिक्षाविदों व पत्रकारों के बीच आदान-प्रदान जैसे मुद्दे शामिल थे।

अलग से, चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने चीन की सैन्य नीति और पाकिस्तान के साथ उसके सहयोग को लेकर रिपोर्ट के दावों को खारिज किया, जिनमें यह सुझाव भी था कि बीजिंग वहां सैन्य अड्डा बनाने पर विचार कर रहा है। झांग ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह हर साल चीन के आंतरिक मामलों में दखल देता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने के लिए चीनी सैन्य खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है। इन सभी बयानों के ज़रिये चीन ने न केवल अमेरिका के आरोपों का जवाब दिया बल्कि यह संकेत भी दिया कि भारत के साथ उसका जुड़ाव रिश्तों को स्थिर करने और करीब लाने के लिए है, न कि किसी एक रिश्ते को दूसरे के ख़िलाफ़ इस्तेमाल करने के लिए।

- **तीखी प्रतिक्रिया की वजह है, अमेरिका के डिपार्टमैंट ऑफ वॉर की वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें कहा गया है कि चीन भारत की सीमा पर तनाव करने का नाटक इसलिए कर रहा है कि भारत-अमेरिका के बीच सामरिक विषयों में नज़दीकी न बढ़े।**
- **चीन ने पुरजोर शब्दों में कहा, भारत व चीन पर जो भी स्थिति है, वह दोनों देशों का आपसी मामला है, इसमें किसी तीसरे देश को (अमेरिका को) कुछ बोलने का कोई मतलब नहीं है**
- **चीन अपनी सख्त प्रतिक्रिया से यह संदेश देना चाह रहा है कि उसका भारत से संबंध का लक्ष्य स्थिरता लाना व आपसी मेल-मिलाप बढ़ाना है, न कि किसी एक देश से संबंधों को दूसरे देश के संबंध से आमना-सामना कराना।**

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बैन हो सोशल मीडिया

चेन्नइ, 26 दिसंबर। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरई पीठ ने आस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया के उपयोग को नियंत्रित करने की सलाह दी है।

- **मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने ऑस्ट्रेलिया में बने एक नए कानून का हवाला देते हुए यह अहम् टिप्पणी की।**

कोर्ट ने कहा कि जब तक ऐसा कानून लागू नहीं होता, तब तक राज्य और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों में बाल अधिकारों और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार करें।

जस्टिस जी. जयचंद्रन और केके रामकृष्णन की पीठ ने हाल ही में यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजगढ़ में केंद्रीय स्कूल खोलने की बजाय दूसरे गांव में शिफ्ट करने का विरोध

लोगों ने बाजार बंद रखे, पुलिस की गाड़ी सहित सभी वाहनों को रोक दिया

अलवर, (निसं)। अलवर के राजगढ़ में केंद्रीय स्कूल खोलने की बजाय उसे दूसरे गांव में शिफ्ट करने का लोग विरोध कर रहे हैं। लोगों ने शुक्रवार को बाजार बंद कर रखे हैं। वहीं लोगों ने पुलिस की गाड़ी सहित सभी वाहनों को रोक दिया। इससे अलवर-सिकंदरा मेगा हाईवे जाम हो गया। प्रदर्शनकारियों ने राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर के पास सड़क जाम कर दी।

सर्व समाज के लोगों ने कहा कि राजगढ़ में केंद्रीय स्कूल जरूरी है। उसे रैणी के दलालपुर गांव ले जाना गलत है, हम ऐसा नहीं होने देंगे, अब आर-पार का आंदोलन किया जाएगा। लोगों की ओर से तीसरे दिन शुक्रवार को भी कस्बे में विरोध जताया गया। यहां बाजार बंद कर लोग सड़क पर बैठ गए। वहीं सैनी समाज ने आंदोलन में शामिल लोगों के लिए भोजन-पानी के इंतजाम करने का आव्हान किया।

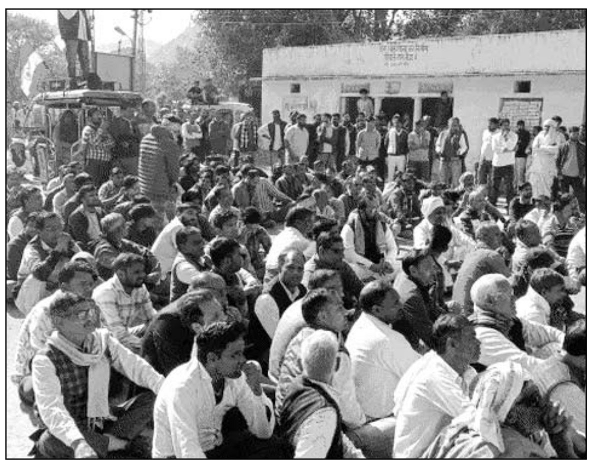

ग्रामीणों का विरोध तीसरे दिन भी जारी रहा।

- केंद्रीय स्कूल राजगढ़ में स्वीकृत हुआ था, अब उसे रैणी के दलालपुर ले जाया जा रहा है
- लोगों ने कहा कि तीन दिन से राजगढ़ कस्बा बंद है, रोड खुलवाने के लिए पुलिस लगा रखी है, लेकिन इमरजेंसी सेवाओं को नहीं रोक रहे

आंदोलन कर रहे राजगढ़ के रहने वाले लोगों ने कहा कि केंद्रीय स्कूल राजगढ़ में स्वीकृत हुआ था। अब उसे रैणी के दलालपुर ले जाया जा रहा है, लेकिन हम किसी भी हालत में केंद्रीय स्कूल को बाहर नहीं जाने देंगे। ये राजगढ़ के बच्चों का हक है। इसके लिए पूरी लड़ाई लड़ी जाएगी। राजगढ़ क्षेत्र में सर्व समाज का यह आंदोलन है। लोगों ने कहा कि केंद्रीय स्कूल को लोकल नेता दलालपुरा ले जाना चाह रहे हैं, जबकि राजगढ़ में जमीन भी है। सरकारी आईटीआई को भी माचाड़ी में शिफ्ट कर दिया गया। कई अन्य संस्थान भी यहां से दूर चले गए। इसके विरोध में धरना जारी है। वहीं राजगढ़ के वकील भी आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। राजगढ़ के रहने वाले लोगों ने कहा कि राजगढ़ में केवी स्कूल खुलना चाहिए। दलालपुरा में क्यों लेकर जा रहे हैं। तीन दिन से पूरा राजगढ़ कस्बा बंद है। रोड खुलवाने के लिए पुलिस लगा रखी है, लेकिन हम इमरजेंसी सेवाओं को नहीं रोक रहे। बाकी किसी को जाने नहीं देंगे।

जोधपुर में एक नाबालिग सहित तीन युवतियां लापता

- तीन थाना इलाकों से अलग-अलग युवतियों के लापता होने के मुकदमे दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में एक नाबालिग सहित तीन युवतियों के गायब होने का मामला सामना आया है। तीन थाना इलाकों से अलग-अलग युवतियों के लापता होने के मुकदमे दर्ज हुए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार शहर के निकट भूरी बेरी स्थित अक्षरधाम में दर्शन करने गई एक युवती वापस अपने घर नहीं पहुंची। परिजनों ने दो दिन तक उसे रिश्तेदारों के यहां ढूंढा, मगर वह नहीं मिली, इस पर परेशान अब पिता ने उसकी गुमशुदगी सूरसागर थाने में दी है। दूसरी तरफ एक किशोरी आखलिया के पास से लापता हो गई। उसको एक युवक द्वारा भगाने की आशंका में नामजद रिपोर्ट हुई है। सूरसागर पुलिस ने बताया कि जालेली चंपावतान डांगियावास निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री दो दिन पहले अक्षरधाम भूरी बेरी आई थी, मगर वह वापिस घर नहीं पहुंची। उसके रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश करवाई गई, मगर वह नहीं मिली। पिता ने अब गुमशुदगी की रिपोर्ट दी है। फिलहाल युवती का पता नहीं चला है।

दूसरी तरफ आखलिया चौराहा के पास रहने वाले एक व्यक्ति ने प्रतापनगर सदर पुलिस को बताया कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री 24 दिसम्बर को घर से दवाई लेने के लिए निकली थी, मगर वह वापिस घर नहीं लौटी। उसकी परिचितों और रिश्तेदारों के यहां भी तलाश करवाई गई। वह नहीं मिली। किशोरी के पिता ने रेहान नाम के युवक पर पुत्री को भगा ले जाने का अंदेशा जताया है।

तीसरा मामला खांडा फलसा थाने में सामने आया है। यहां रहने वाले 26 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी पत्नी अस्पताल में जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन फिर अस्पताल से वापस नहीं लौटी। तलाश करने पर भी कहीं पता नहीं चला। तीनों मामलों में तीन थाना इलाकों की पुलिस युवतियों की तलाश में जुट गई है।

सांगानेर के मंदिरों के सौंदर्यकरण के लिए बजट मिला

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 14 मई को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए थे
- वित्त विभाग ने इन घोषणाओं के लिए 15 से 19 दिसंबर के बीच कई कार्यों की स्वीकृति, नवीन पदों के सृजन और कार्यादेश जारी करने की सहमति दी है

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणाओं व 2025-26 के राज्य बजट की विभिन्न घोषणाओं की अनुपालना के लिए वित्त विभाग ने 15 दिसंबर से 19 दिसंबर के बीच कई कार्यों की स्वीकृति, नवीन पदों के सृजन व कार्यादेश जारी करने की सहमति दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 14 मई को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान सांगानेर कस्बे के प्रमुख मंदिरों संघीजी जैन मंदिर, त्रिपोलिया हनुमान मंदिर और सांगाबाबा मंदिर तथा सांगानेर बाजार के प्रमुख चौराहों के सौन्दर्यकरण एवं विकास कार्यों व सड़कों की चौड़ाई का निर्धारण, संकेतक इत्यादि लगाये जाने के निर्देश दिए थे। इस बाबत वित्त विभाग ने स्वायत्त शासन विभाग को 9 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी करने की सहमति प्रदान की है।

जल संसाधन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणा की अनुपालना में अजमेर जिले के बदलिया फीडर, कयाद फीडर एवं फूल सागर बीर फीडर की मरम्मत एवं नवीनीकरण के कार्य के लिए 12.32 करोड़ रूपये की वित्तीय सहमति प्रदान की है। अजमेर जिले में पुष्कर सरोवर के फीडरों की मरम्मत एवं नवीनीकरण के कार्य हेतु 12.63 करोड़ रूपये की वित्तीय सहमति दी गई है।

कोलायत-फलौदी में इंदिरा गांधी नहर की खिदरत वितरिका नहर के पुनरूद्धार कार्य के लिए 27.43 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति जारी करने की सहमति प्रदान की गई है। सार्वजनिक निर्माण विभाग से सम्बंधित बजट घोषणा की अनुपालना में ऊण से भैंसवाड़ा, आलावा सी से पावटा, भागली पुरोहितान से आहोर, गुड़ा बालोतान से थांवला, चांदना से सियाणा तक सड़क मय पुल निर्माण एवं अगवरी से कुआड़ा, छीपरवाड़ा से आहोर, हरजी से सिराही सीमा तक सड़क मय पुल निर्माण हेतु 75.83 करोड़ रूपये की वित्तीय सहमति प्रदान की गई है। अकलेरा में बाईपास निर्माण के लिए 25 करोड़ रूपये की वित्तीय सहमति दी गई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में वर्तमान में वाहन चालक के 460 पदों में से 1 अप्रेल,2024 की स्थिति के अनुसार 9 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूर्ण कर चुके 79 वाहन चालकों की पदोन्नित हेतु 79 वाहन चालक पदों के सेवा नियमों में निर्धारित योग्यता एवं पे-लेवल में वरिष्ठ वाहन चालक के पदों में क्रमोन्नत करने की सहमति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त पटवारी के 14 पदों को नियमानुसार सीधी भर्ती के माध्यम से भरने की सहमति प्रदान की गई है।

सरकारी स्कूल में आगजनी का खुलासा

एक गिरफ्तार व तीन बाल अपचारी निरूद्ध

पावटा, (निसं)। राउमा विद्यालय रामपुरा तहसील शाहपुरा में प्राचार्य द्वारा विद्यालय में अनुशासित रहने व नियमित रूप से विद्यालय में आने की बात को लेकर टोकना तथा उनके चाल-चलन के बारे में उनके घरवालों से शिकायत करने की बात को लेकर चार छात्रों को नागवार गुजरा व एकराय होकर प्राचार्य कक्ष का ताला तोड़कर ज्वलनशील पदार्थ से आग लगा कर सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाया था। पुलिस ने मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार व तीन बाल अपचारी निरूद्ध किये

पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने बताया कि रूडाराम पुत्र ओमकार सिंह जाट निवासी ग्राम कांट पुलिस थाना शाहपुरा जिला जयपुर ग्रामीण हाल प्रधानाचार्य राउमा विद्यालय रामपुरा तह शाहपुरा जिला जयपुर ने 12 दिसंबर को पुलिस थाना शाहपुरा पर मामला दर्ज करवाया था कि 11 दिसंबर की रात्रि को स्कूल के प्राचार्य कक्ष में असामाजिक तत्वों ने ताला तोड़कर ज्वलनशील पदार्थ से आग लगा कर सरकारी सम्पति को नुकसान पहुँचाया है। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह व वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी शाहपुरा रिया चौधरी पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन की गई तो सामने आया कि उक्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुरा की कक्षा 12 में पढ़ने वाले चार छात्रों अमित व तीन अन्य नाबालिग छात्रों को उक्त विद्यालय के प्राचार्य रूडाराम ने विद्यालय में अनुशासित रहने व नियमित रूप से विद्यालय में आने की बात को लेकर टोका था तथा उनके चाल-चलन के बारे में उनके घरवालों से शिकायत करने को कहा था, जिस बात को लेकर उक्त चारो छात्रो ने एक राय होकर 11 दिसंबर 2025 की रात को विद्यालय परिसर में घुसकर प्राचार्य कक्ष का सरिये से ताला तोड़कर प्राचार्य कक्ष में प्राचार्य की सीट पर ज्वलनशील पदार्थ तेल छिड़क कर आग लगा दी, जिससे प्राचार्य कक्ष में रखा सामान टेबिल कुर्सी फर्नीचर आदि जलकर राख हो गये। पुलिस टीम द्वारा छात्र अमित व तीन बाल अपचारियों को डिटेन कर घटनाक्रम के सम्बंध में गहनता से अनुसधांन किया गया तो वारदात करना स्वीकार किया। जिस पर आरोपी बालिग अमित बुनकर पुत्र मालीराम बुनकर निवासी वार्ड नं. 4 ग्राम रामपुरा पुलिस थाना शाहपुरा जिला जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया व 3 बाल अपचारियों को निरूद्ध किया गया तथा चारों की निशादेही से ताला तोड़ने में प्रयुक्त हथियार लोहे का सरिया ज्वलनशील पदार्थ तेल की बोतल तथा प्राचार्य कक्ष का क्षतग्रस्त ताला बरामद किया गया है।

पुलिस ने आगजनी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचा चालक

आग लगने लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में शुक्रवार सुबह एक चलती कार में अचानक से आग लग गई। गनीमत रही कि कार चालक कार में उठते धुंए को देखकर कार को साईड में लगाकर समय रहते कार से उतर गया। कार में आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई, सूचना पाकर दमकल मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के अनुसार कुन्हाड़ी निवासी अशोक कार से कुन्हाड़ी से स्टेशन जाने के लिये निकले थे, नयापुरा पुलिया पर चढे तभी कार के बोनेट में से धुंआ उठता देखा, तुरंत कार को रोककर कार से उतर गये और देखते ही देखते कार में आग की लपटे उठने लगी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि कुन्हाड़ी से नयापुरा की ओर जाने वाली नयापुरा पुलिया पर बोलेरो कार में आग लगने की सूचना मिली थी, सूचना पर दमकल को मौके पर भेजा गया और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रथमदृष्टया से आग लगने लगने का कारण शॉट सर्किट सामने आ रहा है।

कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें : एसपी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि कार्यप्रणाली में किसी भी प्रकार की ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शुक्रवार को आयोजित जिला स्तरीय क्राइम मीटिंग में उन्होंने अपराधियों के खिलाफ प्रभावी और निर्णायक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी उपाध्याय ने कहा कि पुलिस का मूल उद्देश्य आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना पैदा करना तथा अपराधियों में भय कायम करना है। कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- 'पुलिस का मूल उद्देश्य आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना पैदा करना तथा अपराधियों में भय कायम करना है'

क्राइम मीटिंग के दौरान जिले के सभी थानों में दर्ज प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। लंबे समय से लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए एसपी ने सभी थानाधिकारियों को पेंडेंसी कम करने और त्वरित जांच पूरी कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को समय पर न्याय मिलना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसपी ने निर्देश दिए कि किसी भी पीड़ित को पुलिस सहायता के लिए इंतजार न करना पड़े। संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल और गश्त बढ़ाने के आदेश दिए गए, ताकि अपराध की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण किया जा सके। एसपी ने जिले को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने के उद्देश्य से अवैध कारोबारियों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब, जुआ-सट्टा और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने को कहा गया। साथ ही सक्रिय अपराधियों व हिस्ट्रीशीटरों पर निगरानी के निर्देश दिए। एसपी ने काली फिल्म लगे वाहनों, बिना नंबर प्लेट और संदिग्ध गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। इसके साथ ही रात के समय अतिरिक्त पिकेट लगाकर सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने दो टूक कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक थाने में कार्यकुशलता और अनुशासन दिखाई देना चाहिए। जहां भी लापरवाही सामने आएगी, वहां जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। झुंझुनूं पुलिस की प्राथमिकता जनता की सुरक्षा है, अपराध और अवैध गतिविधियों के लिए जिले में अब कोई जगह नहीं होगी।

झुंझुनूं जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने क्राइम मीटिंग ली।

हजारों लीटर वॉश नष्ट कराई

उदयपुर, (निसं)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्रवाई कर अभियोग दर्ज किए गए। प्रदेश के अन्य जिलों में भी नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है।

जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में आबकारी निरोधक दल की चाकसू के ग्राम त्रिलीपुरा, लसाडियागुडा, फलीयावास, सिंडोली में दबिश के तहत 1200 लीटर वॉश एवं 2 भट्टियां नष्ट की गई। इसी क्रम में मुखबीर की सूचना पर ट्रेन में शराब परिवहन के विरूद्ध आबकारी थाना फुलेरा और आरपीएफ थाना फुलेरा की संयुक्त कार्रवाई में 18 बोतल अंग्रेजी शराब एवं 20 पव्वे अंग्रेजी शराब के बरामद किए गए।

भीलवाड़ा के गुलाबपुरा व निम्बाहेड़ा कलां में 400 लीटर वॉश व 2 भट्टियां नष्ट की गई, मौके से 4 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद की गई। हनुमानगढ़ के टीबी पनीवाली एवं गुडिया में आबकारी दल की कार्रवाई में 52 लीटर अवैध हथकड़ शराब बरामद कर अभियोग दर्ज किया गया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य जिलों में भी निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है।

बैरवा समाज के श्मशान में वर्षा का पानी भरा होने से परेशानी

गंगापुर सिटी, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र स्थित बाढ़ बिछला गांव में बैरवा समाज के श्मशान घाट में बारिश का पानी भर जाने से दाह संस्कार को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। पुलिस और प्रशासन की तत्परता से यह विवाद टल गया और एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार कराया गया।

जानकारी के अनुसार गांव की बुजुर्ग महिला धुमा देवी पत्नी गिरधारी बैरवा का निधन हो गया था। उनके परिजनों को अंतिम संस्कार करना था, लेकिन श्मशान घाट में तालाब जैसी स्थिति होने के कारण दाह संस्कार में बाधा आ रही थी। अन्य समाज के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं मिलने से विवाद गहरा गया। जानकारी मिलने पर बैरवा समाज के लोगों ने स्थानीय विधायक रामकेश मीना को अवगत कराया। विधायक के हस्तक्षेप के बाद तहसीलदार और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस वाहन के साथ समाज के लोग शव लेकर श्मशान घाट पहुंचे। सदर थाने के एएसआई रामबाबू सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस की निगरानी में जेसीबी की सहायता से पानी पर मिट्टी डालकर शमशान घाट को दाह संस्कार योग्य बनाया गया। मिट्टी डालने के बाद धुमा देवी का दाह संस्कार कराया गया। गांव के सरपंच ने बताया कि हर वर्ष बारिश में बैरवा समाज के श्मशान घाट में पानी भर जाता है। इस स्थायी समस्या के समाधान के लिए ग्राम सभा में एक प्रस्ताव पारित कर तहसीलदार को भेजा गया है। जल्द ही समाज के लिए अलग श्मशान भूमि आवंटित की उम्मीद है।

आरपीएससी ने वर्ष 2026 में प्रस्तावित परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया

- जारी कार्यक्रम के अनुसार वर्ष 2026 की परीक्षाओं की शुरुआत 11 जनवरी को डिप्टी कमांडेंट परीक्षा-2025 के साथ होगी
- जनवरी से नवंबर माह तक आयोजित होने वाली 16 भर्ती परीक्षाओं की प्रस्तावित दिनांक जारी की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने नए साल के आगाज से पहले ही प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं को बड़ी सौगात दी है। आयोग ने वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर जारी कर दिया है।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार वर्ष 2026 की परीक्षाओं की शुरुआत 11 जनवरी को डिप्टी कमांडेंट परीक्षा-2025 के साथ होगी। वर्तमान में जारी कार्यक्रम के तहत जनवरी से नवंबर माह तक आयोजित होने वाली 16 भर्ती परीक्षाओं की प्रस्तावित दिनांक जारी कर दी गई है। इसके अतिरिक्त अप्रेल से दिसंबर माह तक कुल 5 तिथियों को आयोग द्वारा आयोजित की जाने अन्य भर्ती परीक्षाओं के लिए आरक्षित रखा गया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और आधुनिकता लाने के उद्देश्य से आयोग कई परीक्षाएं कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से आयोजित करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व भी आयोग द्वारा वर्ष 2012 से 2018 के दौरान 160 भर्ती परीक्षाओं का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से कराया जा चुका है।

आयोग के अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने बताया कि परीक्षा कैलेंडर समय पर जारी करने का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों को प्रॉपर प्लानिंग का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि विज्ञापनों के साथ या उसके तुरंत बाद परीक्षा तिथि घोषित होने से अभ्यर्थी मानसिक रूप से तैयार रहते हैं और एक निश्चित समय सीमा में अपनी तैयारी पूरी कर सकते हैं। आयोग द्वारा वर्ष 2025 के लिए जारी परीक्षा कैलेंडर की शत्-प्रतिशत पालना सुनिश्चित की गई थी, इसी अनुसार वर्ष 2026 में भी परीक्षाओं का आयोजन समयबद्ध रूप से कराए जाने हेतु आयोग कटिबद्ध है। इसी क्रम में आयोग द्वारा वर्ष 2026 में प्रस्तावित परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसे आयोग द्वारा जारी भर्ती विज्ञापनों अनुसार समय-समय पर अद्यतन किया जाता रहेगा। इन सभी परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम भी यथासमय जारी कर दिया जाएगा।

आयोग द्वारा घोषित आगामी परीक्षाओं की प्रस्तावित परीक्षा दिनांक :- डिप्टी कमांडेंट परीक्षा-2025- 11 जनवरी को, लेक्चरर (आयुर्वेद विभाग) परीक्षा-2025 - 12 जनवरी को, सहायक विद्युत निरीक्षक (उर्जा विभाग) परीक्षा-2025 1 फरवरी को, जूनियर केमिस्ट (जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग) परीक्षा- 2025 -1 फरवरी को, सहायक अभियंता संयुक्त भर्ती (कार्मिक विभाग) मुख्य परीक्षा-2024 -15 से 18 मार्च, सब इंस्पेक्टर/प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2025- 5 अप्रेल 2026, वेटेनरी ऑफिसर भर्ती परीक्षा 2025- 19 अप्रेल, असिस्टेंट एग्रीकल्चर इंजिनियर (कृषि विभाग) भर्ती परीक्षा 2025, - 19 अप्रेल, आयोग की भर्ती परीक्षाओं के लिए आरक्षित - 26 अप्रेल, आयोग की भर्ती परीक्षाओं हेतु आरक्षित - 3 मई, प्राध्यापक, प्राध्यापक(कृषि) एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) भर्ती परीक्षा 2025, 31 मई से 16 जून, वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) परीक्षा-2025 -12 से 18 जुलाई, कनिष्ठ विधि अधिकारी (जेडीए) भर्ती परीक्षा 2025 - 26 से 27 जुलाई, सांख्यिकी अधिकारी (सांख्यिकी विभाग) भर्ती परीक्षा 2025- 30 अगस्त 2026, निरीक्षक (कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग) परीक्षा 2025 - 20 सितंबर, निरीक्षक कारखाना एवं बॉयलर्स-रसायन (कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग) परीक्षा 2025 - 20 सितंबर 2026, सहायक निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी भर्ती परीक्षा 2025 - 13 से 16 अक्टूबर 2026, संरक्षण अधिकारी भर्ती परीक्षा 2025 -15 नवंबर 2026, आयोग की भर्ती परीक्षाओं के लिए 29 नवंबर, 6 दिसंबर और 27 दिसंबर 2026 आरक्षित रखी गई है।

भजनलाल सरकार की विकास रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत

- शाहपुरा विधानसभा के अमरपुरा, नांगल भरड़ा, चारणवास, हाथनोदा सहित विभिन्न स्थानों पर रथ यात्रा के अंतर्गत जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित, आमजन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे

जयपुर, (निसं)। भजनलाल सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, ऐतिहासिक विकास कार्यों एवं सुशासन की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने हेतु जयपुर ग्रामीण की शाहपुरा विधानसभा के अमरपुरा, नांगल भरड़ा, चारणवास, हाथनोदा सहित विभिन्न स्थानों पर रथ यात्रा के अंतर्गत जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विकास रथ यात्रा को संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा ने कहा कि भजनलाल सरकार 450 रुपए में गैस का सिलेंडर दे रही है। किसान सम्मान निधि को 6000 हज़ार से बढ़ाकर 9000 कर दिया है। इस प्रकार की अनेकों योजनाएं है। भजनलाल सरकार के दो वर्षों में जिन लोगों को लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है उन सभी की जिम्मेदारी है कि हर पात्र व्यक्ति तक जन कल्याणकारी योजनाएं पहुंचें। भजनलाल सरकार ने मात्र दो वर्षों में लाखों सरकारी नौकरियाँ देकर युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया है। इस अवधि में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ, जबकि कांग्रेस की गहलोत सरकार के दौरान 19 में से 17 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे।

विधानसभा प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में तैयार किया गया विकसित राजस्थान 2047 विज़न डॉक्यूमेंट, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 संकल्प को राज्य स्तर पर साकार करने का स्पष्ट, समयबद्ध और दूरदर्शी रोडमैप है, जो आने वाले राजस्थान की दिशा तय करेगा। भजनलाल सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर रथ यात्रा के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क और जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें स्थानीय जनता ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर विधानसभा प्रत्याशी उपेन यादव, नगर निगम जयपुर समिति के पूर्व चेयरमैन नरेंद्र शेखावत, संयोजक राम नरेश यादव, ताराचंद सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एमपी से जोधपुर ले जाई जा रही अवैध हथियारों की खेप पकड़ी, एक गिरफ्तार

जब्त हथियार आगामी दिनों में किसी बड़ी वारदात में इस्तेमाल होने की संभावना जताई

- **पांच पिस्टल, 12 कारतूस और गोला-बारूद के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, एक नाबालिक निरूद्ध**
- **आरोपियों ने बताया कि ये हथियार मध्य प्रदेश से लेकर आए थे और जोधपुर में किसी गैंग या व्यक्ति को सप्लाई किए जाने थे**

अजमेर, (कासं)। अजमेर जीआरपी थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) को निरुद्ध किया है। इनके पास से पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है, जो आगामी दिनों में किसी बड़ी वारदात में इस्तेमाल हो सकते थे। गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी की पहचान बाड़मेर सदर निवासी नवाब अली के रूप में हुई है। नवाब अली के कब्जे से चार देशी पिस्टल और 12 जिंदा कारतूस (7.65 एम.एम) बरामद हुए हैं। बाल अपचारी के कब्जे से एक देशी पिस्टल जब्त की गई।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई :- जीआरपी पुलिस को मुखबिर के जरिए एक पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि अवैध हथियारों के साथ कुछ संदिग्ध व्यक्ति मध्य प्रदेश से ट्रेन के जरिए अजमेर पहुंच रहे हैं। इस इनपुट को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने अजमेर रेलवे स्टेशन पर विशेष निगरानी और नाकाबंदी शुरू कर दी। जैसे ही संदिग्ध स्टेशन पर पहुंचे, पहले से मुस्तैद पुलिस टीम ने उन्हें घेरकर हिरासत में ले लिया।

जोधपुर में होनी थी हथियारों की सप्लाई :- तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 5 अवैध पिस्टल और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में एक बड़े नेक्सस का खुलासा हुआ है। आरोपियों ने बताया कि वे ये हथियार मध्य प्रदेश से लेकर आए थे और इनका गंतव्य जोधपुर था। यानी, ये हथियार जोधपुर में किसी गैंग या व्यक्ति को सप्लाई किए जाने थे। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को अब पुलिस रिमांड के दौरान उनसे कड़ी पूछताछ कर रही है।

अवैध मादक पदार्थ सहित एक गिरफ्तार : ब्यावर में जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना जवाजा मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध मदाक पदार्थ 1.371 किलोग्राम गांजा व 143 ग्राम अफीम जब्त किया गया है।

गौरतलब है कि 25 दिसंबर को जिला स्पेशल स्पेश टीम व प्रशिक्षु आरपीएस अनिल पंवार थाना जवाजा को विशेष सुत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि गोहाना रिको एरिया में एक दुकान पर एक व्यक्ति अवैध गांजा व अफीम बेच रहा है। प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गोहाना रिको एरिया में पहुंच दुकान की तलाशी ली। दुकान से अवैध मादक पदार्थ गांजा व अफीम मिला जिसको जब्त कर आरोपी चेतन सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह रावत निवासी गोहाना को गिरफ्तार किया जाकर पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया

डूंगरपुर, (निसं)। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली कि यहाँ साबला थाना क्षेत्र में ऊँसाईराम रेस्टोरेंट एण्ड नाश्ता सेन्टर पर बच्चों से काम करवाया जा रहा है, जिनकी उम्र 14-15 वर्ष हैं। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा के निर्देशन में गुरूवार को केश सुपरवाइजर नारायणलाल बरण्डा, अनीता भील व महेन्द्र कलाल ने इसकी सूचना पुलिस व संबंधित विभाग को दी। जिसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन टीम, साबला पुलिस व सृष्टि सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में डूंगरपुर जिले के साबला थाना क्षेत्र में ऊँसाईराम रेस्टोरेंट एण्ड नाश्ता सेन्टर से दो बालक, को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। इन बच्चों की अग्रिम सहायता के लिए उन्हें बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष भावेश जैन, सदस्य उमेश रावल बालकृष्ण परमार व जयश्री भट्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से बच्चों को अग्रिम आदेश तक राजकीय किशोर गृह में अस्थाई आश्रय प्रदान किया।

सूने मकान में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

डूंगरपुर, (निसं)। शहर की पत्रकार कॉलोनी में एक मकान में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने मकान के पिछले हिस्से में बने एक कमरे को निशाना बनाया और चांदी की तीन अंगूठियां, एक चांदी का ब्रेसलेट तथा तीन हजार रुपए चुरा ले गये। यह पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें दो चोर नजर आ रहे हैं।

पत्रकार कॉलोनी निवासी भाविक गर्ग ने बताया कि मकान के पिछले हिस्से में एक कमरा बना है। घटना के दिन दोपहर में वह मकान के ऊपरी हिस्से में था। शाम को जब वे नीचे आया, तो कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर भाविक ने पाया कि कमरे में रखी दराज से चांदी की तीन अंगूठियां और एक चांदी का ब्रेसलेट गायब था। इसके अलावा, उनके पर्स में रखे तीन हजार रुपए नकद भी चोरी हो गए थे। इसके बाद भाविक ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो चोर दिखाई दिए। एक बदमाश मोटरसाइकिल पर बाहर इंतजार कर रहा था, जबकि दूसरा बदमाश घर का गेट खोलकर अंदर घुसा। उसने कमरे का ताला तोड़ा और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। कोतवाली थाना पुलिस ने भाविक गर्ग की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-वि.सं.14/Exam/AD & SSO/Home (Gr.-I)/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक-23.12.25

आयोग द्वारा राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, जयपुर राजस्थान फोरेसिक विज्ञान सेवा नियम, 1979 के अन्तर्गत सहायक निदेशक (डीएनए खण्ड) एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विभिन्न 05 खण्ड) के कुल 28 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 29.12.2025 से दिनांक 27.01.2026 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-परीक्षा से सम्बन्धित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/19056/2025 राम निवास मेहता, सचिव

नाबालिग छात्रा की मौत मामले में कार्रवाई की मांग

- **पुलिस मुख्यालय में सरदार पटेल सेना ने आईजी एस परिमला से मुलाकात की**
- **आईजी एस परिमला से मामले की सुनवाई स्पेशल कोर्ट में कराने की अपील की**

डूंगरपुर, (निसं)। सरदार पटेल सेना ने धम्बोला थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर पुलिस मुख्यालय में आईजी एस परिमला से भेंट की। सरदार पटेल सेना ने इस मामले की सुनवाई स्पेशल कोर्ट में कराने की अपील की है। उन्होंने एक महीने के भीतर सभी सबूतों के साथ कोर्ट में चालान पेश करने और तीन महीने के अंदर दोषी को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

सरदार पटेल सेना के राष्ट्रीय संयोजक सुनील पटेल ने मंत्री पटेल से मांग करते हुए धम्बोला थाना क्षेत्र में एक अन्य समुदाय के युवक ने छात्रा को प्रताड़ित किया था। छात्रा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण छात्रा को अपनी जान गंवानी पड़ी। दोषियों के विरुद्ध बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की।

महेंद्र डांगी ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सर्वसमाज एकजुट हुआ है। उन्होंने जोर दिया कि सरकार और प्रशासन ने उनकी मांगें मानी हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मांग यह है कि बेटी को तीन महीने के भीतर न्याय मिले। उन्होंने पुलिस विभाग से मामले से जुड़े सभी फोरेंसिक और जांच सबूतों के साथ एक महीने में कोर्ट में चालान पेश करने और सरकार से जल्द सुनवाई कर तीन महीने में कड़ी सजा सुनाने की अपील की। इस मामले में पुलिस और सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए, ताकि आरोपी सबूतों के अभाव में छूट न जाये। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेटी को न्याय नहीं मिलने पर आक्रोश आंदोलन को अभी केवल स्थगित किया गया है, समाप्त नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन भी किया जाएगा।

शेरगढ़ में आठ दिन पहले बेहोश मिले युवक की मौत

- **मृतक के परिजनों ने युवक के अपहरण, मारपीट और हत्या का आरोप लगाया**
- **परिजनों और ग्रामीणों ने मोर्चरी के बाहर धरना देकर कार्रवाई की मांग की**

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ थाना क्षेत्र के करणीसर गांव की सरहद में आठ दिन पहले बेहोशी की हालत में मिले युवक की एमडीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने युवक के अपहरण, मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मोर्चरी के बाहर धरना देकर कार्रवाई की मांग की।

शेरगढ़ थानाधिकारी बुद्धाराम ने बताया कि भांडू चारणान निवासी रामाराम पुत्र पूनाराम भील ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि उनका भतीजा लीसाराम (22) पुत्र खंगाराम गत 17 दिसंबर की शाम करीब चार बजे बलाऊ रोड पर बर्तन बेचने वाले सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ निवासी कैलाशचंद्र पुत्र रूपाराम खटीक से विवाद में उलझ गया था। आरोप है कि लीसाराम कुछ बर्तन अपने साथ ले गया था, जिन्हें बाद में गांव के दुकानदार ईश्वरदास और उनके साथियों ने वापस दिलवा दिया। इसके बाद लीसाराम ने अपने भाई को फोन कर सौ रुपए पेट्रोल के लिए भेजने को कहा था। उसने यह भी बताया था कि कुछ लोग बोलेरो व अन्य गाड़ी से उसका पीछा कर रहे हैं। अगले दिन 18 दिसंबर को ग्रामीणों ने सूचना दी कि करणीसर-भांडू चारणान रोड पर सड़क से करीब बीस फीट दूर एक युवक बेहोशी की हालत में पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर उसकी पहचान लीसाराम के रूप में हुई। ग्रामीणों की मदद से उसे बालेसर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे जोधपुर के एमडीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों, ग्रामीणों और समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने मोर्चरी के बाहर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कॉल डिटेल निकलवाने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

सूरतगढ़ सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन, सूरतगढ़ (राज.)

ऑनलाईन/ऑफलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित वार्षिक अनुबंध/कार्य/सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:– 252(RVU2526WSOB01858) विभिन्न पम्पो, ऑयल सिस्टम एवं सहायक उपकरणों के मरम्मत एवं रखरखाव, 253(RVU2526WSRC01854) वेसल्स, टैंक, पाइप और फिटिंग्स की लाइनिंग, 254(RVU2526SLOB01859) दैनिक कार्यो के सचांलन में सहायता हेतु, 255(RVU2526WSOB01855) कोयला मिलोए ग्रेविमेट्रीक फीडर, बर्नर पैनल, MRHS, डक्टस और डैम्पर्स, रोटरी सेक्शन से जुडे अन्य संबंधित घटको की मरम्मत/निर्माण, 256(RVU2526WSRC01857) इंस्ट्रूमेंट एयर कंप्रेसर का नवीनीकरण/पुनर्स्थापन/मरम्मत, 257(RVU2526WSOB01852) 3.Φ, 6.6 KV एचटी इडक्शन मोटर्स की रिवाइंडिंग और मरम्मत, 346(RVU2526GLOB01870) मोटर सहित सम्प वाटर पंप, 350(RVU2526GLOB01867) वॉल्यूम बूस्टर और एयर लॉक रिले, 352(RVU2526GLOB01846) हीटिंग एलिमेंट्स, 353(RVU2526GLOB01861) रीहीटर कॉइल, 357(RVU2526GLOB01865) प्रयोगशाला उपकरण, 347(RVU2526GSOB01864) सील ऑयल पंप के मोटर, 349(RVU2526GSOB01863) फ्लेम स्कैनर और लिमिट स्विच, 351(RVU2526GSOB01862) ऑइल सील, 354(RVU2526GSOB01876) फर्नीचर और उपकरण, 355(RVU2526GSOB01866) इंटरमीडिएट सर्ज हॉपर, 356(RVU2526GSOB01875) ट्रांसमीटर एवं 358(RVU2526GSOB01860) स्टील की अलमारी की आपूर्ति। विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** (ई–निविदा हेतु), **www.sppp.rajasthan.gov.in** एवं **www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/16518 RVUN/PR-4315 परियोजना प्रमुख (सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल)

धातु निर्मित मांझा प्रतिबंधित

टोंक, (निसं)। लोक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पशु पक्षियों की जान के खतरे तथा विद्युत प्रसारण को बाधा रहित बनाएं रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट कल्पना अग्रवाल ने धातु निर्मित मांझा (पतंग उड़ाने के लिए पक्का धागा, नायलॉन, प्लास्टिक मांझा, चाइनीज मांझा जो सिंथेटिक, टॉक्सिक मटेरियल, आयरन पाउडर, ग्लास पाउडर का बना हो) के थोक एवं खुदरा बिक्री तथा उपयोग को जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधित के आदेश जारी किए हैं। साथ ही प्रात: 6 से 8 बजे तक तथा सायं 5 से 7 बजे की समयावधि में पतंगबाजी पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा, यह आदेश 31 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा। आदेश की अवहेलना या उल्लंघन किए जाने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 223 के तहत दंडित किया जाएगा।

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

File No. :- Date :-

Notice inviting Bid

NIB No 33/2025-26 YEAR 2025

Bids for Talab, Talai, ECD, Mpt, LSCD, ECD, Pakka check dam, Recharge shaft, RTWHS, Anicut e.t.c of PMKSY 2.0 estimated value INR 180.32 Lacs (89.41+90.91) are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 01-01-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state and department website **(https://water.rajasthan.gov.in/wdsc). UBN NO.- WSC2526WSRC02120, WSC2526WSRC02121**

Raj.Samwad/C/25/16508 Superitending Engineer and Project Manger WCDC Zila Parishad Karauli

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 19584380 दिनांक :- 24/12/2025

ई-बिड सूचना संख्या:- जोन उत्तर-एबी/18/25-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- JOD2526A0221

Tender ID/UBN No. :- JOD2526WSOB00497

राज.संवाद/सी/25/16524 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-एबी)

कार्यालय जिला कलक्टर, जालोर (राज.)

क्रमांक-लेखा/बोली/2025/1485 दिनांक- 24.12.2025

निविदा सूचना

इच्छुक बोलीदाताओं से RRCMS प्राजेक्ट लागू किये जाने के तहत हार्डवेयर क्रय करने हेतु प्रतिष्ठित सदभावी पंजीकृत फर्मो/व्यवसायियों/डीलरों से खुली बोली दर संविदा हेतु बोलिया दिनांक 30.12.2025 दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित अन्य विवरण राजस्थान लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN- CJL2526GLRL00030

DIPR/C/19191/2025 अतिरिक्त जिला कलक्टर जालोर

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड 328001

Email ID-dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांक-एफ( )/उवसं/वजीधौ./राचघअ/2025-26/3700 दिनांक-19/12/25

Notice Inviting Bid

Bid for construction of Residency At Division Office of Range Wildlife Vanvihar Dholpur are invited from interested bidders upto 12.00 AM, 31.12.2025. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in. http://Eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 47.77 lakhs.

UBN NO. FOR2526WSOB03908

(डॉ. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

DIPR/C/19038/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड आमेट

क्रमांक-1953 दिनांक-22.12.2025

संशोधित निविदा सूचना संख्या 23/2025-26

NIB CODE- PWD2526A4682

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 23/2025-26 दिनांक 10.12.2025 की दिनांक में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

क्र.सं.		पूर्व में जारी दिनांक	संशोधित दिनांक
1	ऑनलाईन निविदा आवेदन /डाउन लोड करने की दिनांक	दिनांक 12.12.2025 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 22.12.2025 को सायं 6.00 बजे तक	दिनांक 12.12.2025 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 29.12.2025 को सायं 06.00 बजे तक
2.	ऑनलाईन निविदा जमा कराने की दिनांक	दिनांक 12.12.2025 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 22.12.2025 को सायं 6.00 बजे तक	दिनांक 12.12.2025 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 29.12.2025 को सायं 06.00 बजे तक
3.	ऑनलाइन निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 23.12.2025 प्रात 11.00 बजे	दिनांक 30.12.2025 प्रात 11.00 बजे

UBN NO. PWD2526WSOB18684, PWD2526WSOB18685

Old RO No.-18458

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

DIPR/C/19070/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड आमेट

दो महीने से फरार गैंगरेप के आरोपी गिरफ्तार

- **पुलिस ने 5-5 हजार का इनाम घोषित कर रखा था**

गंगापुर सिटी, (निसं)। पीलौदा थाना पुलिस ने 2 महीने से फरार चल रहे गैंगरेप के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों पर जिला पुलिस ने पांच-पांच हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। यह कार्रवाई सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और गंगापुर सिटी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के सुपरविजन में की गई।

गंगापुर सिटी वृत्ताधिकारी के नेतृत्व में पीलौदा थानाधिकारी ने 3 अलग-अलग टीमें गठित की थीं। इन टीमों ने तकनीकी और सायबर इनपुट का उपयोग करते हुए लगातार दबिशें दी। आरोपियों को दौसा जिले के लालसोट से हिरासत में लिया गया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। यह मामला 21 अक्टूबर 2025 का है। पीलौदा थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कपिल मीना (20) और राजसिंह (25) के रूप में हुई है। ये दोनों पीलौदा थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव के निवासी हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम के समन्वित प्रयासों से ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो पाई।

सड़क किनारे खड़े टैंकर को ट्रेलर ने टक्कर मारी

दोनों वाहनों के बीच में फंसने टैंकर चालक की मौत

- **चाकसू इलाके में हुकण गांव के पास हुआ हादसा**
- **टक्कर के बाद टैंकर से केमिकल हाईवे पर बह गया**

जयपुर। चाकसू थाना इलाके में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे खड़े टैंकर को पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। नेशनल हाईवे-52 पर हुए इस हादसे में ट्रेलर की टक्कर से टैंकर के पीछे पीछे खड़ा ड्राइवर दोनों वाहनों के बीच में दब गया, जिससे चालक की मौके हो गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक को एम्बुलैंस की मदद से जिला अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

थानाधिकारी मनोहरलाल मेघवाल ने बताया कि चाकसू थाना इलाके में स्थित हुकण गांव के पास केमिकल से भरे कैप्सूल टैंकर का टायर फट गया था। चालक बूंदी जिले के बहड़ा वाली गांव निवासी कैलाश मीणा (39) पुत्र परमानंद ने रोड़ किनारे टैंकर को खड़ा किया और टायर बदल रहा था। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार बजरी के ट्रैलर ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक दोनों वाहनों और बजरी के बीच फंस गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे में घायल हेल्पर करौली जिले के बरेड़ा निवासी भगवान (32) पुत्र छोटू लाल भील है। घायल को एम्बुलेंस से जयपुरिया अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि ट्रेलर चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मालिक और चालक की तलाश शुरु कर दी है।

दुर्घटना थाना के इंचार्ज राम रतन चौधरी ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर का केबिन पूरा टैंकर की तरफ मुड़ गया और बजरी भी टैंकर पर गिर गई। इससे बीच में खड़ा ड्राइवर दोनों वाहनों और बजरी के बीच फंस गया। क्रेन की मदद से चालक के शव को वाहनों और बजरी के बीच से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद केमिकल से भरे टैंकर से केमिकल रिसाव होने लगा, जिससे रेस्क्यू और भी कठिन हो गया। वहीं सड़क पर पूरा केमिकल बह जाने की वजह से जाम लग गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से रोड़ से साइड में करवाकर यातायात सुचारु किया।

प्रतिबंधित दवा सप्लाई करने का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने प्रतिबंधित दवा सप्लाई करने वाले को गिरफ्तार किया है। प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह एवं डीएसटी की टीम ने 25 दिसंबर के प्रकरण में वांछित अभियुक्त कुबेर उर्फ कमलेश पुत्र वालाराम निवासी बोरीया सिहाड थाना खैरोदा को गिरफ्तार किया। पांच दिसंबर को रेणु खोईवाल उपनिरीक्षक मय टीम ने विरेन्द्रसिंह व प्रहलाद के कब्जे से प्रतिबंधित दवा अर्माडोल, प्रेगा एण्ड कीट, कोडीन सिरप जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया था।

अवैध अफीम सहित दो गिरफ्तार : तलाशी अभियान के दौरान अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी ने रानी रोड़ शमशान घाट से आरोपी नवदीपसिंह पुत्र सूरजपसिंह चौहान निवासी श्रीनगर कॉलोनी रामपुरा को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से प्रतिबंधित दवा की 470 शिशियां जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।वल्लभनगर थाना अधिकारी दिनेश पाटीदार ने कीरखेड़ा क्षैत्र में आरोपी प्रकाश पुत्र मगनीराम से अफीम जब्त कर गिरफ्तार किया।

फरार आरोपी गिरफ्तार :- झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम मय टीम ने आबकारी अधिनियम एवं जुआ खेलने के मामले में फरार अरोपी युसुफ मलिक पुत्र उसमान भाई निवासी ग्रीनपार्क सोसायटी कलोल सिटी गांधीनगर गुजरात को गिरफ्तार किया।

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

गांधी उद्यान–ब्यावर रोड़, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर – 01462-230051 ई–मेल :- npvijaynagar@gmail.com

कमांक न.पा.बि./भूमि शाखा/ 2024–25/5261 दिनांक :– 23.12.2025

सार्वजनिक ई–नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बिजयनगर शहर गांधी नगर आवासीय योजना मे भूखण्डो उनके निम्न सामने अकिंत तिथि को ऑनलाईन माध्यम से नीलामी राजस्थान नगर पालिका नगरीय भूमि निष्पादन नियम 1974 के अनुसार 99 वर्ष की लीज होल्ड के आधार पर की जायेगी। इच्छुक कय कर लाभ उठाये। उक्त बेचान पर राजस्थान नगर पालिका नगरीय भूमि निष्पादन 1974 के समस्त व समय –समय पर जारी परिपत्र लागू रहेगे।

क्र. सं.	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड साईज प्रति भूखंड	बोली प्रारम्भ राशि	रिजर्व केवल लीज /अरबन असेस्मेन्ट गणना हेतु	नीलामी आरम्भ तिथि	धरोहर/ भाग लेने राशि जमा करने तिथि	धरोहर राशि एवं भाग लेने हेतु राशि प्रत्येक भूखण्ड
1	B–21 से B–28 B–42 से B–49 B–34,B–62, B–63,B–64 B-67, B-38,B-65, B-53B-57,B-59 (कुल 26) (कॉर्नर भूखण्ड B-65, B-53)	30X64 फिट प्रति भू–खण्ड	5,00,000 प्रति भूखण्ड	2,32,320 प्रति भूखण्ड	08.01.2026 से 12.01.2026 तक	08.01.2026 से 12.01.2026 तक समय : प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक	10000Rs &1300Rswith gst per plot
2	A140,A144,A153,A-90, A-92,A-93,A-95,A-96, A-99,A-101,A-103,A-97 (कुल 12) (कॉर्नर भूखण्डA-153, A-96, A-97)	30X64 फिट प्रति भू–खण्ड	5,00,000 प्रति भूखण्ड	2,32,320 प्रति भूखण्ड	12.01.2026 से 14.01.2026 तक	12.01.2026 से 14.01.2026 तक समयः प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक	10000Rs &1300Rswith gst per plot
3	B–108,B110,B–111,B–220, B–221,B–222,B–223,B–230 B-232,B-71,B-225, B-226,B-227,B-219 B-231,B-106,B-109, B-115,B-107,B-68,B-69, B-71 (कुल 22) (कॉर्नर भूखण्ड B-106)	30X60 फिट प्रति भू–खण्ड	5,00,000 प्रति भूखण्ड	2,17,800 प्रति भूखण्ड	14.01.2026 से 16.01.2026 तक	14.01.2026 से 16.01.2026 तक समय : प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक	10000Rs &1300Rswith gst per plot
	B–123, B–104, B–97, (कुल 03) (कॉर्नर भूखण्ड)	25x53 फिट प्रति भू–खण्ड	3,00,000 प्रति भूखण्ड	1,60,325 प्रति भूखण्ड	19.01.2026 से 20.01.2026 तक	19.01.2026 से 20.01.2026 तक समयः प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक	6000Rs &1200Rswith gst per plot
	A-50,A-85(कुल 02) (कॉर्नर भूखण्ड)	18x49 फिट प्रति भू–खण्ड	200000 प्रति भूखण्ड	106722 प्रति भूखण्ड			4000Rs &1000Rswith gst per plot
	B-147, B-165, B-148 (कुल 03) (कॉर्नर भूखण्ड)	18x25 फिट प्रति भू–खण्ड	1,00,000 प्रति भूखण्ड	54450 प्रति भूखण्ड			2500Rs &1000Rswith gst per plot
4	BS–01 से BS–16 (कुल 16)	15X30 फिट प्रति भू–खण्ड	3,00,000 प्रति दुकान	1,67,850 प्रति दुकान	22.01.2026 से 23.01.2026 तक	22.01.2026 से 23.01.2026 तक समयः प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक	6000Rs &1000Rswith gst per plot
5	BS–19 से BS–22 AS–11 से AS–14 AS–16 से AS–20 (कुल 13)	10X15 फिट प्रति भू–खण्ड	1,50,000 प्रति दुकान	55,950 प्रति दुकान	27.01.2026 से 28.01.2026 तक	27.01.2026 से 28.01.2026 तक समयः प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक	3000Rs &1000Rswith gst per plot

नीलामी में भाग लेने के लिए निम्न शर्ते जो निम्नानुसार है:–

नीलामी शर्ते :–

1 बोली लगाने से पूर्व बोलीदाता को प्रत्येक भूखण्ड हेतु निर्धारित अमानत पृथक-पृथक जमा होने पर बोली मे भाग ले सकेगे। उक्त धरोहर (अमानत) राशि ऑनलाईन ही जमा करवाना अनिवार्य होगा।

2 यह भूमि विकय राज. नगर पालिका भूमि निष्पादन नियम 1974 नियम से संशोधन 02को 2010 व उनके जारी परिपत्रों के अन्तर्गत की जा रही है।

3 नीलामी बोली मे कॉर्नर प्लाट पर अन्तिम नीलामी की 10 प्रतिशत अतिरिक्त राशि देय होगी।

4 जिस व्यक्ति के नाम अमानत राशि की रसीद कटेगी पालिका द्वारा उसी व्यक्ति के नाम का पट्टा जारी किया जावेगा। नाम मे किसी प्रकार का संशोधन नही किया जावेगा।

5 उच्चतम बोली लगाने को नीलामी की दिनांक से तीन कार्य दिवस के भीतर अपनी बोली का 15 प्रतिशत राशि जमा करवाना अनिवार्य होगा।

6 सफल बोलीदाता द्वारा बोली की रकम 35 प्रतिशत भाग नीलामी दिनांक से 120 दिवस के अन्तर्गत जमा करवाना अनिवार्य होगा।तथा शेष 50 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 180 दिवस के अन्तर्गत जमा करवाना अनिवार्य होगा। असफल रहने पर बोली स्वीकार करने की तिथि से मूल राशि पर 15 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज पर प्रभारित किया जायेगा। सफल बोलीदाता द्वारा डिमांड की दिनांक से 15 दिवस मे सम्पूर्ण राशि जमा कराने पर 01 प्रतिशत की छूट देय होगी।

7 भूखण्ड 99 वर्ष लीज होल्ड पर अरबन सेटलमेन्ट ग्राउंड रेट के आधार पर विकय किया जावेगा। जिसकी लीज राशि आवासीय आरक्षित दर की 2.50 प्रतिशत व वाणिज्यक आरक्षित दर का 05 प्रतिशत नियमानुसार केता द्वारा जमा करानी होगी।

8 लीज डीड शाश्वत लीज पत्र का विधिवत पंजीयन करवाना अनिवार्य होगा जिसकी स्टाम्प व नक्शा एंव रजिस्ट्री का व्यय भू-खण्ड केता का होगा।

9 बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अध्यक्ष एंव अधिशाषी अधिकारी (नीलामी कमेटी) नगर पालिका बिजयनगर के पास सुरिक्षत रहेगा जिसका कारण बताना आवश्यक नही होगा।

10 03 वर्ष की अवधि के अन्दर नियमो के अन्तर्गत नक्शा स्वीकृत करवाकर केता को भवन निर्माण करवाना होगा।यदि 03 वर्ष की अवधि मे भवन निर्माण नही करवाया गया तो जमा करायी गई सम्पूर्ण राशि को नगर पालिका द्वारा जब्त कर लिया जायेगा तथा पालिका द्वारा राशि जब्त कर भूखण्ड को निरस्त कर अपने कब्जे मे ले लिया जायेगा तथा पुनः नीलामी कर दिया जावेगा।

11 भूमि के मानचित्र एवं शर्ते/प्रतिबन्ध व समस्त जानकारी किसी भी कार्य दिवस मे कार्यालय सूचना पट्ट पर देखी जा सकगी।

12 उपरोक्त भूखण्डो का मौके पर क्षेत्रफल कम या ज्यादा होगा तो उसके आधार पर ही राशिजमा करानी होगी।

13 .समयावधि घटाने –बढाने का अधिकार नीलामी समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

14 .बोली बढाने की राशि कम से कम 5000/-रूपये रहेगी। इससे कम बोली की राशि बढाने पर मान्य नही होगी।

15 ई–ऑक्शन से सम्बधित किसी भी वाद–विवाद के लिए न्यायलय क्षेत्र बिजयनगर रहेगा।

16 नीलामी बोली स्वीकार नही होने पर धरोहर राशि LSG-EAUCTION पोर्टल स बोलीदाता के खाते में नीलाम की समस्त प्रकिया समाप्त होने के बाद स्वतः जमा हो जावेगी।

17. नीलामी मे भाग लेने के लिए बोली दाता वेबसाईट LSG E-AUCTION जाकर log in ऑप्शन पर क्लिक करके स्वंय की SSO ID के माध्यम से log ID कर LSGE AUCTION ऑप्शन पर क्लिक करके बोली मे भाग ले सकते है। वेबसाईट पर रजिस्टर करने सम्बन्धी असुविधा एंव इस सम्बन्ध मे आ रही किसी भी प्रकार की समस्या के लिए हैल्पडेस्क नम्बर वरिष्ठ प्रारूपकार 7375009353 वरिष्ठ सहायक 9413880275 पर सम्पर्क करे।

राज.संवाद/सी/25/16528 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

Size - 12wx27h

यज्ञ पूजा महामहोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में

उदयपुर। मीरा नगर, मैग्नस हॉस्पिटल के समीप प्रांगण में 28 दिसंबर से 5 जनवरी तक आयोजित होने जा रहे दिव्यातिदिव्य श्री महालक्ष्मी कोटि कुंकुमार्चन यज्ञ पूजा महा महोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में है। कृष्णगिरी पीठाधीश्वर पूज्यपाद जगद्गुरु श्री वसन्त विजयानन्द गिरीजी महाराज के सान्निध्य में होने जा रहे अब तक के सबसे बड़े धर्म अध्यात्म के महोत्सव में शामिल होने श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्सुकता है। महोत्सव आरम्भ होने के पहले चरण में पूज्यपाद गुरुदेव की तप, साधना, प्रवचन का दौर जारी है। महोत्सव आयोजन की कार्यकारिणी समिति के मंत्री मुकेश चेलावत- उद्योगपति, कोषाध्यक्ष रितेश नाहर ने बताया कि जैसे जैसे महोत्सव आरंभ होने की तिथि समीप आ रही है, इसमें शामिल होने दूरदराज से आगन्तुक श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला शुरू हो गया है। यज्ञ, हवन पूजा में शामिल होने और महोत्सव में विभिन्न सेवाएं देने के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। गौरतलब है कि महामहोत्सव लगभग साढ़े 4 लाख वर्गफीट परिक्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। सुविकसित किये गए महोत्सव प्रांगण में प्रवेश के लिए विशाल मुख्य द्वार, 3 छोटे द्वार, 4० हजार वर्गफीट का विशाल कथा पांडाल, 4० हजार वर्गफीट का भोजन पांडाल, 21 कुंडीय सुंदर यज्ञ शाला, साधना पंडाल, करीब 1 लाख वर्गफीट पार्किंग आदि का निर्माण किया जा चुका है।

युवा स्वतंत्रता सेनानियों से साहस की प्रेरणा लेने की जरूरत : प्रो. सारंगदेवोत

■ वीर बाल दिवस पर धर्म की रक्षा हेतु अपना बलिदान देने वाले बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह की शहादत दिवस पर नमन किया

उदयपुर । जो दृढ राखे धर्म को, तेहि राखे करतार ... धर्म की रक्षा हेतु अपना बलिदान देने वाले वीर साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह की शहादत दिवस पर शुक्रवार को राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति सचिवालय के सभागार में आयोजित पुष्पांजलि सभा व संगोष्ठी में कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, विधि महाविद्यालय डीन प्रो. आनंद पालीवाल, पुर्व कुलपति एवं राज्यपाल सलाहकार प्रो. कैलाश सोडाणी, रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. युवराज सिंह राठौड ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि 7 वर्ष की उम्र में हँसते - हँसत देश समाज के लिए अपने आप को न्यौछार कर दिया।

उन्होंने कहा कि औरंगजेब के शासनकाल के दौरान इस्लाम कबूल न करने वालों की हत्या कर दी जाती थी, औरंगजेब का सामना जब गुरू गोविंद सिंह जी के बेटे जोरावर सिंह, फतेह सिंह से हुआ तो उन्होंने इसका जम कर विरोध किया, जिस पर उन्हें जिंदा ही दीवार में चुनवा दिया गया, उस समय इनकी उम्र मात्र 9 और 6 वर्ष थी। इस अवसर पर पीजीडीन प्रो. जीएम मेहता, प्रो. मलय पानेरी, डॉ. युवराज सिंह राठौड, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, डॉ. मनीष श्रीमाली, निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, मुर्तजा अली, डॉ. संजय चौधरी सहित कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

कलेक्टर की क्लास से रोमांचित हुए विधि विद्यार्थी

बांसवाड़ा। विधि विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना है वरन् समाज के कमजोर वर्गों को कानून की सहायता प्रदान करना और विधिक जागरूकता फैलाना है।

इसके लिए नैतिक आचरण अपनाते हुए अदालती प्रक्रिया में सक्रिय होकर व्यावहारिक कौशल विकसित करें ताकि वे भविष्य में सक्षम, निष्पक्ष और सामाजिक रूप से जिम्मेदार वकील बनकर न्याय प्रणाली में योगदान दे सके। उक्त आव्हान जिला कलेक्टर एवं जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद के अध्यक्ष डॉ इंद्रजीत यादव ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष में डॉ नागेंद्र सिंह विधि महाविद्यालय में जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद् की और से आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि पद से किया। उन्होंने कहा कि तन्मयता से ज्ञान अर्जित करते हुए नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने की राह चुननी होगी। डॉ यादव ने कहा कि समय का सदुपयोग और समाज के प्रति अपनी भूमिका को समझना समय की मांग है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे कड़ी मेहनत, अनुशासन, ईमानदारी और देश के विकास में योगदान देने के भाव जागृत करें उन्होंने साक्ष्य, तर्को की प्रस्तुति और मूल्यांकन को प्रभावी परिणाम प्राप्त करने का सूत्र बताया। डॉ यादव की लगभग 1 घंटे से अधिक की क्लास में विद्यार्थियों से ऐसा संवाद किया कि हर कोई अचंभित और अभिभूत नजर आया। उन्होंने उपभोक्ता कानून में आने वाले विभागों की भी जानकारी दी, विद्यार्थियों ने रोमांचित होते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। जिला रसद अधिकारी ने खरीददारी के वक्त बरती जाने वाली सावधानियों के बारें में जानकारी दी। वहीं खाद्य सामग्री खरीद के दौरान छपे रंगो के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर साईबर शाखा के धनज्य ने डिजिटल युग में पग-पग पर सावधानी बरतनें की जरूरत बताई। सेवाविनृत प्रधानाचार्य एवं विधि विद्यार्थी कन्हैयालाल मकवाना, अश्विनी कुमार परनामी, अपूर्वा जैन ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जागरूकता प्रतियोगिता के विजेता हर्ष जैन, चन्द्रेश दमामी, अंकित यादव, रितु मीणा, रचित त्रिवेदी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिजिटल न्याय के माध्यम से कुशल और त्वरीत निपटान विषयक पोस्टर का विमोचन किया गया। संचालन जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद् सदस्य दीपक श्रीमाल जबकि आभार महाविद्यालय प्राचार्य डॉ विक्रम सिंह ने माना।

तुलसी पूजन के साथ गौ-सम्मान का आव्हान

डूंगरपुर। गंगेश्वर महिला भजन ग्रुप प्रगति नगर के साथ गंगेश्वर महादेव मंदिर में गौ-सम्मान आव्हान अभियान, समिति द्वारा तुलसी पूजन कार्यक्रम संपन्न करते हुए तुलसी महारानी ओर भोले नाथ की आरती प्रसाद के साथ गौ सम्मान आव्हान अभियान के महत्व ओर उसके उद्देश्य को लेकर कार्यक्रम प्रमुख मांगी लाल जी कुम्हार ओर पूर्व एसडीएम शांतिलाल जैन के सानिध्य में बैठक की गई। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने और गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए पूरे भारत में संचालित हो रहे राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आव्हान अभियान की आवश्यकता ओर भारत सरकार को 27 अप्रैल को दिए जाने वाले ज्ञापन पर चर्चा की गई। महिला भजन ग्रुप से डॉ.अदिति गोठी और भजन ग्रुप संयोजिका अंशुमाला पंचाल ने भी अपने विचार सांझा किए। महिला भजन ग्रुप द्वारा अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम से लोगों की जोडने ओर बैठकें करने का प्रयास करने का आश्वाशन दिया। इसके पश्चात इसी क्रम में समिति द्वारा शिवाजी नगर माताजी मंदिर में भारत विकास परिषद मुख्य शाखा के साथ तुलसी पूजन कार्यक्रम के साथ गौ सम्मान आव्हान अभियान की बैठक की गई। इस अवसर पर दिनेश श्रीमाल, धनेश्वर, सुभाष रोट,सहित प्रगति नगर शिवाजी नगर कॉलोनी निवासी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सार-समाचार

डाइट की मासिक बैङ्क आयोजित

उदयपुर। डाइट पंचांग की वार्षिक कार्ययोजना में संस्थान के योजना एवं प्रबंधन प्रभाग की अनुमोदित गतिविधि के तहत आयोजित मासिक बैङ्क शुक्रवार को डाइट के टैगोर हॉल में संपन्न हुई। डाइट प्रधानाचार्य शीला काहाल्या की अध्यक्षता में आयोजित इस बैङ्क में संस्थान के सेवापूर्व प्रशिक्षण, कार्यानुभव, पीएंडएम, ईटी तथा पाङ्यचर्या, सामग्री विकास एवं मूल्यांकन प्रभाग द्वारा पंचांग के तहत संपादित गतिविधियों से संबंधित प्रगति की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की गई। डाइट प्रधानाचार्य शीला काहाल्या ने बताया कि बैङ्क में प्रधानाचार्य द्वारा डीडीएमसी के प्रस्तावित लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन एवं शेष रही समस्त कार्यक्रम गतिविधियों को आगमी माह के द्वितीय तक पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। बैङ्क में व्यय बिलों के भुगतान, स्टोर, ई फाइल, प्रकाशन कार्य, आईसीटी लैब, आदि पर चर्चा की गई। साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत आगामी दिनों में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रस्तावित विजिट के तहत आवश्यक तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैङ्क में प्रभागाध्यक्ष डॉ मृदुला तिवारी, उप प्राचार्य डॉ. बृजबाला शर्मा, प्रभागाध्यक्ष बीना कंवर राजपूत, तेजपाल जैन, मंजू टाक सहित प्रभारी डॉ. जगदीश कुमावत, त्रिभुवन चौबीसा, हरिदत्त शर्मा, गिरीश चौबीसा, सुनील विश्नोई, दीपक सेन, कल्पना दीक्षित, रक्षा नागर, खुशबू साँदू, चिराग सैनानी आदि उपस्थित रहें।

हिन्दू सम्मेलन की तैयारी

डूंगरपुर। डूंगरपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष मे पूरे भारत वर्ष मे समाज जागरण के कार्य किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जिला संपर्क प्रमुख पवन जैन ने बताया कि इसी क्रम मे आगामी माह मे पूरे भारत मे लगभग 1 लाख हिन्दू सम्मेलन आयोजित होने है इसीक्रम में तैयारी को लेकर डूंगरपुर संघ कार्यालय मे नगर की बडी बैठक विभाग प्रचारक विकासराज के सानिध्य में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिले के जिला संघचालक योगेंद्र शर्मा ने की तथा बैठक मे डूंगरपुर नगर मे बस्ती के अनुसार आगामी माह मे 18 जनवरी से 8 फरवरी तक लगभग 1० बडे हिन्दू सम्मेलन सर्व हिन्दू समाज के सनिध्य मे आयोजित किया जाएंगे। इसी क्रम मे नगर मे हिन्दू सम्मेलन को आयोजित करने हेतु भूपेन्द्र पालीवाल को संयोजक तथा हिमांशु भावसार को सह संयोजक नियुक्त किया गया है तथा इनके साथ मे संघ के वरिष्ट 1० मुख्य कार्यकता सहयोगी रहेंगे तथा सभी 1० बस्तियों मे इस आयोजन हेतु कार्य समितिया बनाई गई है और इनकी आगामी 5 जनवरी तह बस्ती अनुसार बैठक होंगी और उस बैठक मे आयोजन समितिया बनाई जाएंगी तथा बस्ती के अनुसार आयोजिय किए जाने वाले हिन्दू सम्मेलन की रूपरेखा तय की जाएगी और सभी हिन्दू समाजों के सहयोग लेकर विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जाएंगे।

हिमानी को पीएचडी की उपाधि

डूंगरपुर। शहर के भोईवाडा निवासी हिमानी पति मयंक भोई पिता बसंतलाल भोई को मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के 33 वें दीक्षांत समारोह में भौतिक विज्ञान के पर्यावरणीय अनुकूल सोल जेल प्रक्रिया से संश्लेषित कुछ नैनो क्रिस्टलाइन बहु कार्यात्मक ऑक्साइड के संरचनात्मक प्रकाशीय और चुंबकीय गुणों का अध्ययन् विषय पर शोध कार्य के लिए महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। हिमानी ने अपना शोध कार्य प्रो.सुधीश कुमार के निर्देशन में पूर्ण किया।

जलापूर्ति रहेगी बाधित

उदयपुर । झाडोल जीएसएस के शटडाउन के कारण शहर के कुछ इलाकों में शनिवार को होने वाली जलापूर्ति बाधित रहेगी। जलदाय विभाग के नगर उपखण्ड सप्तम की सहायक अभियंता यामिनी उपाध्याय ने बताया कि प्रेम डेरी, सरस्वती हॉस्पिटल, छोटी पिपली, बड़ी पिपली, धर्मराज कॉलोनी, सौदागर हाउस इत्यादि क्षेत्रों में जलापूर्ति एक दिन आगे बढाई गई है। इसी प्रकार नगर उपखण्ड पंचम के कोर्ट टंकी एवं छींपा कॉलोनी टंकी से जुडे क्षेत्रों में शनिवार दोपहर एवं छींपा कॉलोनी, एकलव्य कॉलोनी एवं सज्जन नगर टंकी से रविवार प्रातः होने वाली जलापूर्ति एक दिन आगे बढ़ाई गई है।

राज्यपाल उदयपुर जाएंगे

उदयपुर, 26 दिसंबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे 28 दिसंबर को अपरान्ह 12:35 बजे राजकीय हैलीकॉप्टर द्वारा चित्तौड़गढ़ से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, डबोक आएंगे। आगमन पश्चात् तत्काल ही राजकीय वायुयान द्वारा औरंगाबाद (छत्रपति शंभाजी नगर) हेतु प्रस्थान करेंगे।

बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन

बिजयनगर, (निसं)। बांग्लादेश में सता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश में रह रहे हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ इस्लामी जिहादी गतिविधियां निरंतर बढ़ती जा रही है। बांग्लादेश में हिंदू प्रताड़ना की वीभत्स घटनाओं के विरोध में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में विवेकानंद सर्किल पर विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंक कर आक्रोश जताया। बांग्लादेश का पूरा प्रशासन और समाज हिंसक और बर्बर इस्लामी जिहादी तत्वों के हिंदू विरोधी नंगे नाच पर मौन साधे हुए है और उनकी निष्क्रियता से उन्हें प्रोत्साहित ही कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों के मानवीय अधिकारों का ऐसा खुला हनन किसी भी सभ्य समाज में मानवता के विरुद्ध गंभीर अपराध है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा देशव्यापी धरना प्रदर्शन आयोजन किया जा रहा है शुक्रवार को बिजयनगर प्रखंड में बांग्लादेश जिहादी मानसिकता का पुतला फूंक कर आक्रोश जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष धनराज कावड़िया प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार जोशी एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अनिल शर्मा हनुमान लोहार रामदेव लोहार और भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष अमित मोदी गोविंद बैरवा एवं भारत विकास परिषद मातृशक्ति इंदु बाला प्रियंका देवकी तोलानी चंद्रकांत शर्मा सहित हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

संगम अभियान के तहत होगा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

ब्यावर (निसं)। ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग एवं भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में पूरे भारत देश में वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीज़न्स) के सम्मान के लिए संगम अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्देश्य है कि सीनियर सिटीजन के महत्व के बारे में समाज एवं परिवार में जागरूकता लाना, उनकी प्रतिभा को सामने लाने के लिए प्रेरित करना, एक प्लेटफार्म बनाना ताकि वे आध्यात्मिक एवं भावनात्मक आत्म उत्थान में सक्रिय रूप से हिस्सा ले सके।

विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियां प्रारंभ

■ मण्डल से बस्ती स्तर तक होंगे आयोजन

डूंगरपुर। हिंदू समाज की त्याग, तपस्या, सेवा और साधना की परंपरा से प्रेरित होकर वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को सुदृढ करने के उद्देश्य से प्रत्येक मण्डल एवं नगर की बस्तियों में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिक जागरण को और अधिक मजबूत करने के लिए इन सम्मेलनों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। सम्मेलनों को भव्य स्वरूप प्रदान करने हेतु 18 जनवरी से 8 फरवरी के मध्य विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सम्मेलन का आयोजन विभाग, जिला, खंड, मण्डल, ग्राम एवं बस्ती स्तर तक किया जाएगा। मण्डल स्तर पर सम्मेलन 5 जनवरी को तथा ग्राम स्तर पर 14 जनवरी को प्रस्तावित हैं। इन आयोजनों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को जोडने का प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों के लिए विभिन्न टोलियों का गठन किया जाएगा। जिनका दायरा खंड स्तर से लेकर मण्डल, बस्ती एवं उपबस्ती स्तर तक रहेगा।

किचन गार्डन प्रशिक्षण का आयोजन

डूंगरपुर। ऋचा संस्था एवं उद्यान कृषि विभाग, डूंगरपुर के संयुक्त तत्वावधान में सीमलवाडा ब्लॉक की हडमतिया ग्राम पंचायत में किसानों एवं ग्रामीण महिलाओं के लिए एक दिवसीय सब्जी उत्पादन एवं किचन गार्डन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में एएओ सेवानिवृत्त लालसिंह चौहान ने सब्जी नर्सरी, रेज बेड, बीज रोपण एवं किचन गार्डन की व्यावहारिक विधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर कृषि पर्यवेक्षक अरविंद लबाना ने विभिन्न कृषि व उद्यानिकी योजनाओं, सब्सिडी, वर्मी कम्पोस्टिंग एवं जैविक खेती पर प्रकाश डाला। परियोजना समन्वयक भावेश जोशी ने किसानों की आजीविका सशक्तिकरण पर जोर दिया।

181 यात्रियों का दल श्रीसम्मेद शिखर यात्रा के लिए रवाना

डूंगरपुर। श्री बीसा हुमड दिगम्बर जैन समाज के 181 यात्रियों का दल शुक्रवार प्रातः 4.15 बजे जैन धर्म के शाश्वत तीर्थ श्रीसम्मेद शिखर की 1० दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हुआ। इस यात्रा का आयोजन समाज की युवा शाखा श्री दिगम्बर जैन संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

जैन संस्थान के अध्यक्ष नीरव जैन ने बताया कि इस यात्रा में 112 सदस्य डूंगरपुर से अपनी यात्रा प्रारंभ करेंगे जबकि शेष यात्री उदयपुर से संघ में जुडेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा में पांच दिवसीय कार्यक्रम श्री सम्मेद शिखर में आयोजित किए जावेगी जबकि शेष दिवसों में पांच तीर्थ की वंदना का आयोजन किया जाएगा।

संस्थान के सचिव अभिषेक कोटडिया ने बताया कि जाते समय संपूर्ण यात्रा रेल मार्ग से होगी जबकि वापसी हवाई मार्ग से की जावेगी। इस अवसर पर एक संक्षिप्त कार्यक्रम में श्री बीसा हुमड दिगम्बर जैन समाज की और से सभी यात्रियों का तिलक एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया एवं सुखद यात्रा हेतु शुभकामनाएं प्रदान की गई। कार्यक्रम को समाज के अध्यक्ष दिगपाल गांधी,उपाध्यक्ष हेमंत बी जैन,जैन संस्थान के अध्यक्ष नीरव जैन,समाज के पूर्व सचिव सुदर्शन जैन ने संबोधित कर सभी यात्रियों को शुभकामनाएं प्रदान की।

इस अवसर पर समाज की और से संजय गांधी, प्रकाश जैन, भूपेंद्र जैन, अभय वोरा, प्रदीप कोटडिया, पंकज कोटडिया, कीर्ति गांधी, विजय कोटडिया एवं समाज के कई अन्य प्रबुद्धजन एवं मातृ शक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में समाज के सह सचिव सुनील गांधी ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी समाज जन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसीबी ने सजग ग्राम योजना कार्यक्रम का आयोजन किया

उदयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों राजस्थान जयपुर के महानिदेशक गोविंद्र गुप्ता एवं उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों उदयपुर रेंज रामेश्वरसिंह के निर्देशानुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों राजस्थान की सजग ग्राम योजना एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत 26 दिसंबर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों उदयपुर एवं ब्यूरों की सभी टीम की मौजूदगी में राजस्थ्व ग्राम टीडी में सजग ग्राम योजना एवं बडगांव में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन टीडी एवं ग्राम पंचायत ीवन बडगांव पर आयोजित कार्यक्रम में सीनीय विभागीय पुलिस, प्रशासनिक एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण, ग्राम पंचायतों के प्रशासक, जनप्रतिनिधी, सीएलजी सदस्यों एवं अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं सेवानिवृत्त अधिकरीगणों ने भाग लिया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद व्यक्तियों को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों राजस्थान की सजग ग्राम योजना एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में अवगत कराते हुए टीडी एवं बडगांव को भ्रष्टाचार मुक्त बनाये जाने के सम्बन्ध में आव्हान किया। इसके लिए एसीबी प्रदेश के टोल फ्रीनं. 1064, वॉट्सएस हेल्प लाईन नम्बर 9413502834 एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों उदयपुर के मोबाईल नं. 9829250721 की जानकारी देते हुए सभी को सरकारी कार्यो में किसी भी विभाग द्वारा रिश्वत की मांग किये जाने पर अविलम्ब शिकायत दर्ज कराने, शिकायत देकर, परिवाद देने एवं उनके नाम गोपनीय रखने जाने के संबंध में अवगत कराया।

समग्र माली समाज की डूंगरपुर-बांसवाडा की खेलकूद प्रतियोगिता

डूंगरपुर । समग्र माली समाज डूंगरपुर-बांसवाडा की खेलकूद सांस्कृतिक एवं स्नेहमिलन कार्यक्रम उल्लास 2०25 का दूसरा दिन रोमांच से भरा रहा। क्रिकेट प्रतियोगिता में फाइनल मैच छप्पन,वर्सेज भगोरेशवर के बीच खेला गया जिसमे छप्पन टीम विजेता रही। मेन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी पियूष माली पिण्डावल को समाज अध्यक्ष लक्ष्मीकांत माली ने अपने हाथों से प्रदान की खेल प्रभारी बापूलाल माली एवं हेमेंद्र माली ने दूसरे चरण में होने वाले वॉलीबाल के मेचो की टाइस सभी ग्यारह टीमों के कप्तान व खिलाडियों के समक्ष की। इस अवसर पर समाज के वयोंवृद्ध संरक्षक नानूराम माली भगोरेश्वर चोखले से जगदीश माली सागवाडा चोखले से नानूलाल हितेश मयूर एवं नरेश माली वेलजी माली एवं अमृतलाल माली गलियाकोट चोखले से आकाश एवं सोमा माली, विजय, भरत, विनोद माली, बांसवाडा चोखले से मीठालाल माली, सुरेश माली, नंदकिशोर माली, छप्पन चोखले से सूरजमल माली,रघुनाथ माली, लक्ष्मण माली धनपाल माली एवं डूंगरपुर मेजबान चोखले से राजेंद्र माली राजू कांतिलाल माली हीरालाल माली रमेश रघुनाथ माली सत्यनारायण माली धर्मेंद्र माली दीपक रघुनाथ माली लक्ष्मीलाल मग्नजी माली दिनेश कांतिलाल माली मुकेश रमण माली आदि के साथ भारी संख्या में माता एवं बहने उपस्थित रही। वॉलीबॉल का पहला उद्घाटन मैच बांसवाडा एवं गलियाकोट के बिच खेला गया।

जिला कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न

डूंगरपुर। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद उप प्राचार्य रेसा वीपी की जिला कार्यकारिणी के चुनाव प्रदेशाध्यक्ष विजयपाल धुवाँ के निर्देशन में मुख्य अतिथि अजय जैन उपप्राचार्य डाइट डूंगरपुर, चुनाव अधिकारी हिमांशु शर्मा प्रधानाचार्य एवं चुनाव पर्यवेक्षक रितेश कुमार पंड्या,प्रदेश प्रवक्ता रेसा वीपी की उपस्थिति में डाइट परिसर में संपन्न हुए।

जिला संयोजक दिलीप परमार एवं सहसंयोजक नानालाल पारगी ने बताया कि रेसा वीपी के चुनाव में जिला अध्यक्ष विशाल पाटीदार,जिला मंत्री डॉ. सुनील पंड्या, जिला महिला मंत्री नीलम यादव, जिला सभाध्यक्ष बनवारी लाल पाटीदार, जिला कोषाध्यक्ष दिलीप परमार, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण लाल खोखरिया, जिला संयुक्त मंत्री मनीष परमार, जिला संगठन मंत्री डायालाल पाटीदार, जिला उपकोषाध्यक्ष मदन मेहता, जिला उप सभा अध्यक्ष नानालाल पारगी,जिला प्रवक्ता जयदीप लोधावरा, जिला कार्यालय मंत्री गोविंदलाल ननोमा, जिला विधि एवं तकनीकी मंत्री जय प्रकाश पाटीदार एवं जिला संरक्षक हिमांशु शर्मा, प्रवीण सुथारए चिराग भट्ट को मनोनीत किया गया। उप प्राचार्य डाइट अजय जैन ने बताया कि तीनों संगठनों की एक संयुक्त वर्किंग कमेटी जिसमें 1०.1० सदस्य तीनों संगठनों के हो जिसमें रेसा पीए रेसा वीपी एवं रेसला की संयुक्त कमेटी द्वारा संगठन को दिशा निर्देश और सही दिशा देने हेतु बनाया जाए। प्रदेश प्रवक्ता रितेश कुमार पंड्या ने बताया कि उप प्राचार्य का जॉब चार्ट अनुसार विद्यालय के अधिकांश कार्यो के संपादन में उप प्राचार्य का महत्वपूर्ण योगदान है। उप प्राचार्य विनय कुमार चौबीसा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2०2० के प्रावधान अनुसार उप प्राचार्य की विद्यालय प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका है। चुनाव अधिकारी हिमांशु शर्मा एवं चुनाव पर्यवेक्षक रितेश कुमार पंड्या ने मनोनीत कार्यकारिणी का तिलकए माला एवं साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात स्नेहभोज का आयोजन किया। चुनाव कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता रितेश कुमार पंड्या व आभार जिला संयोजक दिलीप परमार ने व्यक्त किया।

संयुक्त महासंघ के चुनाव 28 को

डूंगरपुर । अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जिला डूंगरपुर का जिला महासमिति अधिवेशन 28 दिसंबर को प्रातः 11 बजे पंचायत समिति डूंगरपुर सभागार में रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलध्यक्ष धनेश्वर पंड्या करेंगे। पर्यवेक्षक हेमन्त पालीवाल जिलाध्यक्ष महासंघ उदयपुर तथा चुनाव अधिकारी लक्ष्मण यादव पूर्व प्रधानाचार्य ओर सहायक विकास अधिकारी श्याम सुन्दर पाटीदार होंगे। जानकारी देते हुए महामंत्री हेमंत खराडी ने बताया कि इस कार्यक्रम में सम्बंद्ध घटक संगठनों के जिला अध्यक्ष जिला मंत्री व तृतीय प्रतिनिधि सदस्य भाग लेंगे।अधिवेशन में पिछले वर्षो के कार्य की समीक्षा एवं भविष्य की कार्य योजना पर विचार विमर्श किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष व नवीन जिला कार्यकारिणी का चुनाव भी किया जाएगा। महासंघ ने सम्बंद्ध सगठनों के पदाधिकारियों से कार्यक्रम में भागीदारी करने का आ ान किया। जिला कांग्रेस कमेटी के भवन में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लक्ष्मीलाल काका के सानिध्य में मनाने हेतु गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा डॉ.मनमोहन सिंह तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये गए। गोष्ठी में पूर्व सांसद एवं एआईसीसी सचिव ताराचंद भगोरा,पूर्व राज्य मंत्री असरार अहमद खान, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियकांत पंडया, पूर्व नगर अध्यक्ष रोशन दोषी, जिला महासचिव नारायण पंडया, जिला उपाध्यक्ष बंशीलाल साद,ब्लॉक अध्यक्ष डूंगरपुर लक्ष्मण साद, वरिष्ठ नेता मनोहर कंसारा, जिला सचिव मस्तुक मलिक, केवल राम कोटेड, दशरथ ननोमा आदि उपस्थित रहे।

तीर्थयात्री रामेश्वरम-मदुरई के लिए रवाना हुए

■ निशुल्क तीर्थ यात्रा 2025 के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की ट्रेन शुक्रवार को डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुई

उदयपुर । राजस्थान सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए चलाई जा रही निशुल्क तीर्थ यात्रा 2025 के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की ट्रेन शुक्रवार को डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होकर राणा प्रताप नगर उदयपुर होकर रामेश्वरम-मदुरई के लिए रवाना हुई।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा ट्रेन 504 वरिष्ठ नागरिकों को डूंगरपुर से प्रातः 10 बजे लेकर रवाना हुई एवं उदयपुर के राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन 11.45 पहुंची। उदयपुर स्टेशन पर उदयपुर, राजसमंद जिले के 476 वरिष्ठ नागरिक सवार हुए। राणा प्रताप नगर स्टेशन पर निरीक्षक शिवराज सिंह राठौड़ एवं प्रबंधक सुमित्रा सिंह, नितिन नागर के नेतृत्व में देवस्थान विभाग के कार्मिकों द्वारा वरिष्ठ नागरिको के आवेदन पत्र जांच कर टिकट आवंटन का कार्य किया गया। यह ट्रेन 28 दिसंबर को रामेश्वरम पहुंचेगी एवं रामेश्वरम के बाद मीनाक्षी मंदिर मदुरई के दर्शन करवाए जाएंगे। ट्रेन 2 जनवरी को पुनः उदयपुर, डूंगरपुर लौटेगी। इस वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा ट्रेन में 980 यात्री एवं एक ट्रेन प्रभारी राजपत्रित अधिकारी, मेडिकल टीम, अनुरक्षक सहित 30 का स्टाफ कुल 1010 यात्री यात्रा कर रहे है। समस्त वरिष्ठ जनों को ट्रेन में चाय नाश्ता, खाना, गंतव्य स्थान पर पहुंचने पर रहने दर्शन करने सहित समस्त सुविधाएं राज्य सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य सरकार द्वारा प्रथम बार समस्त वरिष्ठ जनों के लिए एसी ट्रेन की व्यवस्था की गई है इससे पूर्व नॉन एसी ट्रेन संचालित होती थी। ट्रेन प्रभारी राजेंद्र कुमार को बनाया गया है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा करवाने का लक्ष्य तय किया है एवं अब तक 29 हजार वरिष्ठ तीर्थ यात्रियों को यात्रा करवाई जा चुकी है।

विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग

भीलवाड़ा(निसं)। शहर विधायक अशोक कोठारी ने प्रदेश की अराजपत्रित पदों की भर्ती प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण सुधार की मांग करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र लिखा है। विधायक कोठारी ने अराजपत्रित पदों की भर्ती में स्थानीय जिले के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देने का पुरजोर समर्थन करते हुए सुझाव दिया है कि पटवारी, कनिष्ठ लिपिक, अध्यापक, ठााम विकास अधिकारी, नर्सिंगकर्मी और वनकर्मी इत्यादि पदों पर होने वाली भर्तियों में 80 प्रतिशत पद स्थानीय जिले के निवासियों के लिए आरक्षित किए जाएं, एवं शेष 20 प्रतिशत पद अन्य जिलों के आवेदकों के लिए रखे जाएं। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि वर्तमान व्यवस्था में अन्य जिलों के अभ्यर्थी नियुक्त तो हो जाते हैं।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F7() B.PLAN/MISC/2025-26/2051 **आम-सूचना** दिनांक: 24.12.2025

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा दिनांक 14-10-2024 को विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां(Development Promotion & Control Regulations) हेतु जारी अधिसूचना एवं इसकी निरन्तरता में समय-समय पर जारी आदेशों/परिपत्रों/अधिसूचनाओं आदि की अनुपालना में निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन है :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या /ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड/भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1.	श्रीमती शिल्पा माहेश्वरी पत्नी श्री रमेशचन्द्र बहेडिया	एकलिंगपुरा	144	01	1963.00 वर्गफीट	प्रतापनगर-बलीचा बाईपास से कलड़वास गांव को जाने वाली 80 फीट सड़क अनआर्थोडॉक्स सोल्यूशन प्राइवट के सामने स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

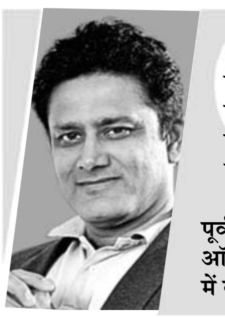

ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआती प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि मौजूदा चैंपियन टीम अपनी विजयी टीम में किसी तरह का संदेह पैदा नहीं करना चाहेगी। - **अनिल कुंबले**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्टीव स्मिथ

स्टीव स्मिथ ने एक फील्डर के तौर पर सबसे ज़्यादा कैच लेने के मामले में राहुल द्रविड़ के 210 कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सिर्फ़ जो रूट (214) के पास उनसे ज़्यादा कैच हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। बेन डकेट ने जल्दी ही स्टार्क को मिड-ऑन पर कैच दे दिया, जबकि नेसर, जो अपना पहला रेड-बॉल टेस्ट खेल रहे थे, ने ऑफ साइड से बाहर जाती गेंद पर एज लगाकर जैकब बेथेल को आउट किया। ज़ैक क्रॉली भी जल्द ही आउट हो गए, अपने शरीर से दूर जाती गेंद पर ज़ोर से शॉट लगाने की कोशिश में, जिससे इंग्लैंड 8 रन पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गया।

क्या आप जानते हैं ?... 44वीं जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप 2025-26 में लगभग 35 लड़कों और इतनी ही लड़कियों की टीमों के भाग लेने की उम्मीद है, जो 31 दिसंबर, 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक गुंजूर, बेंगलुरु में होगी।

विराट और पंत के अर्द्धशतक, दिल्ली की रोमांचक जीत

बेंगलुरु, 26 दिसंबर। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (77) के लगातार दूसरे अर्धशतक और कप्तान ऋषभ पंत (70) की शानदार पारियों की बदौलत दिल्ली ने गुजरात के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में एलीट ग्रुप डी मैच में शुक्रवार को सात रन से रोमांचक जीत दर्ज की। दिल्ली ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 254 रन बनाने के बाद गुजरात को 47.4 ओवर में 247 रन पर निपटा दिया। विराट कोहली को 77 रन और दो कैचों के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले विराट ने इस मुकाबले में अपनी फॉर्म जारी रखते 61 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 77 रन बनाये जबकि पंत ने 79 गेंदों पर 70 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए। हर्ष त्यागी ने 40 और सिमरजीत सिंह ने नाबाद 15 रन का योगदान दिया। गुजरात की तरफ से विशाल जायसवाल ने 42 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। गुजरात की तरफ से आर्य देसाई ने 57 और सौरव चौहान ने 49 रन की पारी खेली। दिल्ली की तरफ से प्रिंस यादव ने 37 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि इशांत शर्मा और अर्पित राणा को दो-दो विकेट मिले।

रिंकू सिंह ने 56 गेंदों में जड़ा शतक, यूपी ने चंड़ीगढ़ को 227 रन से हराया

राजकोट, 26 दिसंबर। टी-20 विश्व कप से पहले उत्तर प्रदेश के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में एलीट ग्रुप बी मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ तूफानी बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ा । रिंकू ने महज 60 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाकर अपनी टीम को विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप बी मुकाबले में 4 विकेट के नुकसान पर 367 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया जिसके जवाब में चंडीगढ़ की टीम 29.3 ओवर में 140 रन पर लुढ़क गयी। यूपी की तरफ से जीशान अंसारी ने 29 रन देकर चार विकेट लिए। आर्यन जुयाल को उनकी 134 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले रिंकू ने चौकों और छक्कों की बारिश करते हुए 11 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के लगाए। रिंकू के अलावा आर्यन जुयाल ने भी शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 118 गेंदों पर 134 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अहम योगदान देते हुए 57 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 67 रन बनाए।

मेलबर्न में एक दिन में 20 विकेट गिरे, ऑस्ट्रेलिया टॉप पर

मेलबर्न, 26 दिसंबर। पिछले साल के बॉक्सिंग डे टेस्ट की तुलना में मेलबर्न पिच पर सिर्फ चार मिलीमीटर ज़्यादा घास होने से बॉक्सिंग डे पर पिच शरारती हो गई, जिससे 20 विकेट गिरे, जो ऑस्ट्रेलिया में पहले दिन गिरे संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट हैं। मेज़बान टीम 46 ओवर के अंदर 152 रन पर ऑल आउट हो गई, जिसके बाद इंग्लैंड एक कदम और आगे बढ़कर 30 ओवर से भी कम में सिर्फ़ 110 रन पर ढेर हो गई, यह सब एमसीजी में 94,199 दर्शकों की रिकॉर्ड भीड़ के सामने हुआ।

दिन का अंत शानदार ड्रामे के साथ हुआ। स्कॉट बोलैंड, ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करने आए और उन्होंने एक पूरा ओवर सुरक्षित रूप से खेला, जिससे पूरे स्टेडियम में मौजूद दर्शक बहुत खुश हुए, जो दिन भर के रोमांचक एक्शन के बाद पहले से ही अपनी सीटों पर खड़े थे।

बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाज़ी करने भेजा, लेकिन इसमें एक अजीब विडंबना थी कि इंग्लैंड सालों तक घर पर सपाट पिचों पर तैयारी करने के बाद एक बार फिर हरी सीमिंग पिच पर खेल रहा था, और ऑस्ट्रेलियाई चुनौती के लिए अपनी तेज गेंदबाज़ी की योजना ऊंचाई और उछाल के हिसाब से बना रहा था, जबकि चुनौती ने अलग सवाल पूछे। हालांकि, इस बार उनके गेंदबाज़ों ने बेहतर जवाब दिया, उन्होंने पूरी लेंथ पर गेंदें फेंकी और तुरंत इनाम पाया।

ट्रैविस हेड, जिन्होंने दौरे पर पहले एक और मुश्किल पिच पर इंग्लैंड को चोट पहुंचाई थी, गस एटकिंसन की गेंद पर अपने स्टंप्स पर आउट हो गए, लेकिन पहले बदलाव के गेंदबाज़ के रूप में जोश टंग के आने से सच में मैच का रुख बदल गया। जेक वेदरल्ड दुर्भाग्य से लेग साइड में आउट हो गए, लेकिन इसके बाद की गेंदों ने यह साबित कर दिया कि पर्थ और ब्रिस्बेन में टंग की कितनी कमी खली थी। मार्नस लाबुशेन ने बाहर जाती हुई गेंद पर किनारा लगाया, जबकि स्टीव स्मिथ एक तेज इन-स्विंगर पर बोल्ड हो गए।

51 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद, उस्मान ख्वाजा और एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया को संभालने के लिए मिलकर 72 रन पर 4 विकेट तक पहुंचाया। लेकिन 38 रन की यह साझेदारी ब्रेक के बाद चौथे ओवर में टूट गई जब एटकिंसन ने ख्वाजा का किनारा लिया। इस बार, स्निको पर आवाज और स्पाइक एक साथ आए और ऑन-फील्ड फैसला पलट दिया गया।

स्टोक्स, जिन्होंने दोपहर के सेशन में एटकिंसन के साथ बॉलिंग की शुरुआत की थी, उन्होंने एक अच्छी प्लानिंग के तहत कैरी को लेग स्लिप पर कैच करवाया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 91 रन पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गया। यह और भी बुरा हो सकता था, लेकिन माइकल नेसर को दो बार किस्मत का साथ मिला क्योंकि किनारे कॉर्डन में शॉर्ट गिरे, पहले जेमी स्मिथ के सामने और बाद में जो रूट के सामने, जिससे यह सवाल उठा कि क्या इंग्लैंड के कीपर और स्लिप कॉर्डन बहुत पीछे खड़े थे।

नेसर ने मिले मौकों का पूरा फायदा उठाया और पलटवार किया, जोश टंग के एक ओवर में चार चौके लगाए, जबकि कैमरन ग्रीन ने मुश्किल पिच पर धैर्य और समझदारी दिखाई। सातवें विकेट के लिए उनकी 52 रन की साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया को 150 रन के पार पहुंचाया, हालांकि ग्रीन की पारी एक जोखिम भरे सिंगल और नॉन-स्ट्राइकर एंड पर ब्रायडन कार्स के डायरेक्ट हिट से खत्म हुई।

मिशेल स्टार्क इस सीरीज में 50 से ज़्यादा के एवरेज के साथ आए थे, लेकिन इस बार सस्ते में आउट हो गए, स्टोक्स ने मिड-ऑफ पर पीछे दौड़कर एक शानदार कैच पकड़ा। रिप्ले में दिखा कि कार्स का अगला पैर क्रीज के अंदर था, लेकिन तीसरे अंपायर ने बॉलर के पक्ष में फैसला दिया। फिर टंग ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट किया, उसी ओवर में बोलैंड और नेसर, जो पारी के टॉप स्कोरर थे, को आउट करके ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला पांच विकेट हॉल पूरा किया।

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। बेन डकेट ने जल्दी ही स्टार्क को मिड-ऑन पर कैच दे दिया, जबकि नेसर, जो अपना पहला रेड-बॉल टेस्ट खेल रहे थे, ने ऑफ साइड से बाहर जाती गेंद पर एज लगाकर जैकब बेथेल को आउट किया। ज़ैक क्रॉली भी जल्द ही आउट हो गए, अपने शरीर से दूर जाती गेंद पर ज़ोर से शॉट लगाने की कोशिश में, जिससे इंग्लैंड 8 रन पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गया। स्टीव स्मिथ ने दूसरे स्लिप पर यह कैच पकड़ा, जिससे वह एक फील्डर के तौर पर सबसे ज़्यादा कैच लेने के मामले में राहुल द्रविड़ के 210 कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ गए। सिर्फ़ जो रूट (214) के पास उनसे ज़्यादा कैच हैं। फिर नेसर ने एक और विकेट लिया, रूट की क्रीज पर बेकार कोशिश को एक जाने-पहचाने बाहरी किनारे के साथ खत्म किया और अनुभवी बल्लेबाज को 15 गेंदों पर शून्य पर आउट कर दिया। यह उनके टेस्ट करियर का 15वां शून्य था; सात ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आए हैं। हैरी ब्रूक ने अगली गेंद पर छक्का मारा और गेंद के बार-बार गड़बड़ करने के बावजूद ट्रैक पर दौड़ने के लिए उत्सुक दिखे, लेकिन विडंबना यह है कि वह पगबाधा आउट हो गए, बोलैंड की एक गेंद पर क्रीज में फंस गए जो अंदर की तरफ आई थी।

उत्तर प्रदेश पहली पारी 178 पर ऑलआउट, राजस्थान पहली पारी 450/6 विकेट

जयपुर, 26 दिसंबर। आज मैच के तीसरे दिन राजस्थान के रजत बघेल व नावेद खान ने शानदार शतक लगाते हुए टीम को पहली पारी में विशाल बढ़त दिलाई। टीम के लिए रजत बघेल 171, नावेद खान नाबाद 166 व कुशाग्र ओझा नाबाद 48 रन।

विजय हजारे ट्रॉफी - राजस्थान - झारखण्ड मैच (झारखण्ड जीती)

झारखण्ड पारी 301 आल आउट

टीम के लिए शिखर 129 व अनुकूल 52 रन

राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद 49/4, अशोक शर्मा 58/2 व अनिकेत, अजय कुकना 1-1 विकेट

राजस्थान पारी 228 आल आउट

टीम के लिए करण लाम्बा ने 102 रनो की शानदार शतकीय पारी खेली साथ ही मुकुल चौधरी 33, मानव सुथार 27, अशोक शर्मा 24 रनो का सहयोग दिया।

झारखण्ड के गेंदबाज शुभम 50 / 6 व सुशांत 32 / 2 विकेट।

राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी के सवाई मान सिंह स्टेडीएमपर आज खेले गए मुंबई - उत्तराखंड मैच को मुंबई ने जीता।

सवाई मान सिंह स्टेडीएम मुंबई-उत्तराखंड (मुंबई जीती)

मुंबई पारी 331/7

उत्तराखंड पारी 280/9

अनंतं ग्राउडं छत्तीसगढ़ - पंजाब मैच (पंजाब जीती)

छ्त्तीसगढ़ पारी 252 आल आउट

पंजाब पारी 254/1

के एल सैनी सिक्किम - महाराष्ट्र मैच (महाराष्ट्र जीता)

सिक्किम मैच 150 आल आउट

महाराष्ट्र पारी 153/2

जैपुरिया ग्राउंड गोवा - हिमाचल मैच (गोवा जीती)

गोवा पारी 285/9

हिमाचल पारी 277 आल आउट

आरसीए अंडर 14 ट्रॉफी (जयपुर - सीकर फाइनल में पहुंचे)

पहला सेमी फाइनल मैच जयपुर - जोधपुर (जयपुर जीती)

जोधपुर पारी 187/9

टीम के लिए युवराज 64 व भाविक 36 रन

जयपुर के गेंदबाज मो बिलाल 25/4 व गौरव पुनिया 28/2 विकेट

जयपुर पारी 191/4

टीम के लिए आदित्य यादव 63, आदित्य शर्मा 36, रुपेश शर्मा 26 व मनवीर नाबाद 16 रन

जोधपुर के गेंदबाज तनिष्क 36/2 विकेट

दूसरा सेमी फाइनल मैच धौलपुर - सीकर (सीकर जीती)

धौलपुर पारी 171 आल आउट

टीम के लिए आयुष रविंद्र 59 व प्रीत 32 रन

सीकर के गेंदबाज मयूर शर्मा 19/2, मनीषहरितवाल 41/2 विकेट

सीकर पारी 176/7

टीम के लिए मनीष हरितवाल नाबाद 45, तरुश पाबड़ी 45 व मुकुल 37 रन

धौलपुर के गेंदबाज पंकज, गोविन्द 2 - 2 विकेट।

रोहित शून्य पर लुढ़के लेकिन मुंबई ने उत्तराखंड को 51 रन से हराया

जयपुर, 26 दिसंबर। स्टार बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा विजय हजारे ट्रॉफी में एलीट ग्रुप सी मैच में उत्तराखंड के खिलाफ शुक्रवार को शून्य पर लुढ़क गए लेकिन मुंबई ने उत्तराखंड को 51 रन से हरा दिया। मुंबई ने सात विकेट पर 331 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद उत्तराखंड को नौ विकेट पर 280 रन पर रोक दिया। उत्तराखंड की तरफ से ओपनर युवराज चौधरी ने 96 रन की शानदार पारी खेली। इससे पहले पिछले मैच के शतकधारी रोहित को देवेंद्र सिंह बोरा ने आउट किया। लेकिन मुशीर खान (55), सरफराज खान (55) और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक तामोरे ने नाबाद 93 रन का योगदान देकर मुंबई को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में मदद की।

राजधानी

चौमूं में मस्जिद के बाहर पड़े पत्थर और रैलिंग हटाने पहुंची पुलिस पर पथराव

शुक्रवार अलसुबह 3 बजे हुआ हमला, उपद्रवियों के पथराव में पुलिस के छह जवान घायल

जयपुर (कासं)। जयपुर जिले के चौमूं कस्बे के बस स्टैण्ड के पास शुक्रवार अलसुबह करीब 3 बजे कालन्द्री मस्जिद से जुड़े विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान उपद्रवियों ने मौके पर तैनात पुलिस जाब्ते पर पथराव कर दिया, जिसमें करीब 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मस्जिद के पास सड़क किनारे लगे पत्थरों को हटाने को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार शाम को इस मुद्दे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों और पुलिस-प्रशासन के बीच वार्ता हुई थी। वार्ता के दौरान समुदाय की ओर से स्वयं पत्थर हटाने पर सहमति बनी थी। पत्थर हटाए जाने के बाद मस्जिद के पास लोहे की रैलिंग लगाकर बाउंड्री निर्माण का कार्य शुरू किया गया, जिस पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में शुक्रवार अलसुबह अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस पर उपद्रवियों द्वारा पथराव करने से माहौल ने हिंसक रूप ले लिया। मौके पर बिगड़े हालातों को काबू करने के लिए चौमूं, हरमाड़ा, विश्वकर्मा, दौलतपुरा सहित आसपास के कई थानों से अतिरिक्त जाब्ता बुलाना पड़ा। फोटो-राष्ट्रदूत

चार थानों से बुलाया गया अतिरिक्त जाप्ता

बताया जा रहा है कि मस्जिद के पास रैलिंग लगाकर बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य शुरु होते ही समुदाय विशेष के कुछ लोगों ने विरोध करते हुए मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को चौमूं, हरमाड़ा, विश्वकर्मा, दौलतपुरा सहित आसपास के कई थानों से अतिरिक्त जाब्ता बुलाना पड़ा। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जयपुर से एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ. राजीव पचार, डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद तथा एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने हालात का जायजा लेकर स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। विवाद होने के बाद मस्जित व इसके आसपास प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात कर स्थित को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने मस्जिद व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरु कर दिया है। जिससे उपद्रवियों की पहचान की जा सकें। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- **बताया जा रहा है गुरूवार शाम को पुलिस और मुस्लिम समुदाय के बीच हुई थी वार्ता, परंतु इसके बावजूद रैलिंग लगाने का काम शुरू हो गया था। जिसे रूकवाने पहुंची पुलिस पर उपद्रवियों ने हमला बोल दिया।**

50 उपद्रवी पुलिस हिरासत में

उपद्रव होने के बाद पुलिस प्रशासन ने 500 से अधिक पुलिस के जवानों को इलाके में चप्पे -चप्पे की निगरानी करने के लिए तैनात किया है। वही विश्वकर्मा,दौलतपुरा, हरमाड़ा थाना पुलिस के जवान मौके पर मौजूद है। पुलिस की विशेष टीम ने घरों में दबिश देकर 50 उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। जिनसे गहनता से पूछताछ की जा रहीं है। पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स, वज्र वाहन, आरएसी, पुलिस लाइन जयपुर की टीमों को भी मस्जिद के पास तैनात किया गया है।

मुख्य बाजार हुए बंद

कस्बे में फेंले विवाद के बाद चौमूं और उसके आसपास के इलाकों में मुख्य बाजार को बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि चौमूं के मुख्य बाजार सहित रींगस रोड, मोरीजा रोड,थाना मोड सहित आसपास के इलाकों के मुख्य बाजार बंद है।

पूरे इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद

रैलिंग और बाउंड्री वॉल के निर्माण के बाद उपजे विवाद के बाद इलाके में किसी भी तरह की अफवाह नहीं फेले इसको लेकर पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए चौमूं में मोबाइल इंटरनेट सहित सोशल मीडिया सेवाओं को अस्थाई रुप से बंद कर दिया है। संभागीय आयुक्त, जयपुर संभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 26 दिसंबर सुबह 7 बजे से 27 दिसंबर शाम 7 बजे तक चौमूं क्षेत्र में 2, 3, 4, 5 मोबाइल इंटरनेट डेटा, बल्क एसएमएस, व्हाट्सऐप, फेसबुक, ट्विटर (एक्स) सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सेवाएं निलंबित कर दी है। जो आगामी आदेशों तक बंद रहेगी, हालांकि वॉयस कॉल और ब्रॉडबैंड सेवाएं चालू रहेंगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय राजस्थान लोक सुरक्षा (जन आपातकाल या लोक सुरक्षा) नियम-2017 के तहत लिया गया है। प्रशासन का मानना है कि वर्तमान हालात में सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक सूचनाएं फैलने की आशंका बनी हुई है, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। पुलिस प्प्रशासन ने आमजन से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है। आदेश की अवहेलना करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

उपद्रव में घायल पुलिसकर्मी

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 50 उपद्रवियों को हिरासत में लिया।

अरावली पर्वत श्रृंखला के साथ नहीं होने देंगे छेड़छाड़ : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर अरावली पर्वत श्रृंखला को लेकर दिए गए बयानों पर जमकर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तो अरावली क्षेत्र में भाटा, रेता तक नहीं छोड़ा। किसने वर्ष 2002-03 और 2009-10 में अरावली की परिभाषा बदली? कितने पट्टे अरावली क्षेत्र में जारी किए? वे केवल झूठी बातें ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरावली के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को अफवाह फैलाने के अलावा कुछ नहीं आता हैं। हम सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) लेकर आए तो, इन्होंने हल्ला मचाया और अफवाह फैलाई। लेकिन हमारी सरकार ने इसे लागू किया।

विस्थापितों को पट्टे भी दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि संविधान बदल दिया जाएगा। वे एसआईआर पर भी प्रश्न उठाते हैं। क्या वे घुसपैठियों के समर्थक हैं? हम एक भी घुसपैठिएं को नहीं रहने देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ट्विट मास्टर बन रहे हैं। उनका जादू चल गया, और नहीं चलने वाला है। जो बोया है, वो काटना ही पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाउंगा और न खाने दूंगा' बयान का जिक्र करते हुए कहा कि अगर किसी ने खा लिया तो वापस भी आएगा।

- **भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत बताएं कि किसने बदली थी अरावली की परिभाषा?''**

अतिक्रमण और उपद्रवियों पर होगी कठोर क़ानूनी कार्रवाई : बेढ़म

जयपुर (कासं)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने जयपुर के चौमूं क्षेत्र में हुए अतिक्रमण एवं उपद्रव को मामले को लेकर शुक्रवार को शासन सचिवालय में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि चौमूं बस स्टैंड पर सड़क पर स्थापित स्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिए गुरुवार को पुलिस प्रशासन और सम्बंधित पक्षों के बीच वार्ता हुई थी। जिसमें दोनों पक्षों के बीच सउक़ के बीच बने हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए सहमति बनी थी।

उन्होंने कहा कि गुरुवार देर रात कुछ उपद्रवियों द्वारा सड़क पर लोहे की रैलिंग लगाकर फिर से अतिक्रमण करने का प्रयास किया गया। प्रशासन द्वारा इस काम को रोके जाने पर पुलिस प्रशासन पर पत्थरबाज़ी की गई।

जिसमें कई पुलिस कार्मिकों को चोट आई। उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया है और लगातार उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जा रहा है।बेढ्म ने कहा कि उपद्रव करने वाले लोगों को वीडियो, फोटो और अन्य सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया जा रहा है तथा नियमानुसार उनपर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्यवाही पर विपक्ष ओछी राजनीती कर रहा है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को धार्मिक रंग देकर अपनी राजनीती चमका रहे है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई धर्म या जाती देखकर नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की अतिक्रमण हटाने की नीति पूरी तरह निष्पक्ष है और इसमें धर्म या जाति का कोई सवाल नहीं है।

- **चौमूं में अतिक्रमण को लेकर विवाद पर गृह राज्य मंत्री ने दिया बयान**
- **उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा उपद्रव को धार्मिक रंग देकर राजनीति कर रहे है।''**

हस्तशिल्प उद्योग ने परम्परा व पहचान का संरक्षण किया है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में पश्चिम राजस्थान हस्तशिल्प उत्सव-2026 का उद्घाटन किया

जोधपुर, 26 दिसम्बर (कासं)। शुक्रवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प उद्योग ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण का माध्यम है तथा इसने परंपरा और पहचान का संरक्षण किया है। यह श्रमिकों,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हस्तशिल्पियों को सहायता देने के लिए 1,197 दस्तकार परिचय पत्र जारी किए। राज्य सरकार बुनकर पुरस्कार योजना, बाज़ार सहायता योजना व चर्म प्रशिक्षण योजना से हस्तशिल्पियों को लाभ पहुँचा रही है।**

महिलाओं, युवाओं और गरीबों के स्वावलंबन का माध्यम भी बना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हस्तशिल्पियों के कल्याण को सर्वोपरि माना है। हमारी सरकार ने हस्तशिल्पियों को सहायता देने के लिए 1,197 दस्तकारों को परिचय पत्र जारी किए हैं। राज्य सरकार द्वारा बुनकर पुरस्कार योजना, बाजार सहायता योजना एवं चर्म प्रशिक्षण योजना से विभिन्न हस्तशिल्पियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, माटी कला कामगारों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीनें भी दी गई हैं। पी.एम. विश्वकर्मा योजना के तहत, कारपेंटर, मूर्तिकार, कुम्हार, राजमिस्त्री सहित, 18 ट्रेड्स के दस्तकारों को 5 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के साथ 2 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निर्यात को 1.50 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लिए राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी अधिसूचित की गई। एक जिला-एक उत्पाद पहल के तहत, राजस्थान ओडीओपी नीति तथा राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025 को फरवरी 2025 को लागू किया गया। शर्मा ने कहा कि हमने राज्य के विकास का रोडमैप बनाकर कार्य किया है। पानी-बिजली की प्राथमिकता को सर्वोपरि रखते हुए इस क्षेत्र में ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल,उद्योग राज्यमंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भी संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पंच गौरव प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

जाँच समिति ने इंडिगो संकट पर रिपोर्ट सौंपी

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर। इंडिगो संकट की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी।

सरकार ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो की हजारों उड़ानें रद्द होने के बाद जांच के लिए 05 दिसंबर को एक समिति का गठन किया था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्राम्हणे की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय समिति ने शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। इस समिति के अन्य सदस्यों में डीजीसीए के उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ फ्लाइट ऑपरेशन्स इंस्पेक्टर (एफओआई) कैप्टन कपिल मांगलिक और एफओआई लोकेश रामपाल शामिल थे।

समिति को इंडिगो के परिचालन में बड़े पैमाने पर हुए व्यवधान के कारणों की जांच की जिम्मेदारी दी गयी थी। साथ ही उसे भविष्य में इस तरह के संकट को रोकने के उपाय सुझाने के लिए भी कहा गया था। समिति को रिपोर्ट सौंपने के लिए 15 दिन का समय दिया गया था। समिति ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

उत्तर प्रदेश एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम कटेंगे

चुनाव आयोग ने कहा 31 दिसम्बर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की जाएगी

- **जिन 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटेंगे उनमें से 1.26 करोड़ अपनी जगह पर नहीं मिले, 46 लाख मृत पाए गए, 23.37 लाख डुप्लीकेट मतदाता मिले, 83.73 लाख अनुपस्थित रहे, वहीं 9.97 लाख अन्य श्रेणियों के वोटर्स हैं।**

लखनऊ, 26 दिसंबर। वोटर्स के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम कटे हैं। बता दें कि यूपी की वोटर लिस्ट में अभी तक 15.44 करोड़ नाम थे, लेकिन अब इसमें करीब 3 करोड़ वोटर्स के नाम काटे जाएंगे। जिन 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे, उनमें 1.26 करोड़ वोटर्स अपनी जगहों पर नहीं मिले। इसके अलावा, 46 लाख मृत पाए गए, जबकि 23.70 लाख वोटर्स डुप्लिकेट मिले। वहीं 83.73 लाख लोग अनुपस्थित मिले, जबकि 9.57 लाख अन्य कैटेगरी के वोटर्स हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मुताबिक, 31 दिसंबर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। इसके पब्लिश होने के बाद, से लेकर 30 जनवरी, 2026 तक दावे-आपत्तियां स्वीकार किए जाएंगे। सभी जांच-पड़ताल के बाद 28 फरवरी 2026 को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

चुनाव आयोग के मुताबिक, यूपी में मैपिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है, यानी साल 2003 की वोटर लिस्ट से वर्तमान वोटर लिस्ट का मिलान किया गया, जिसमें लगभग 91 प्रतिशत लोगों का डेटा मिलान हो चुका है। ऐसे वोटर्स के नाम उनके रिलेटिव्स जैसे मां-बाप, दादा-दादी या नाना-नानी से मिलाया गया है।

बाकी 9 प्रतिशत यानी, 1.11 करोड़ वोटर्स को चुनाव आयोग की तरफ से नोटिस भेजा जाएगा। जिन्हें अब अपनी पहचान साबित करने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट चुनाव आयोग को देने होंगे।

उत्तर प्रदेश में फिलहाल 11 लाख से ज्यादा लोग वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म भर चुके हैं। जिन लोगों की उम्र 1 जनवरी 2026 को 18 साल पूरी हो रही है, वो भी फॉर्म भर सकते हैं। बता दें कि एसआईआर के लिए यूपी के तमाम जिलों में विशेष कैंप लगाए गए। मतदान केन्द्रों पर बीएलओ को तैनात किया गया था। इसके अलावा सभी पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधि, बीएलए ने एसआईआर गणना फॉर्म को भरवाने में मदद की।

कुलदीप सेंगर को जमानत देने के खिलाफ सीबीआई सुप्रीम कोर्ट पहुँची

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन दायर की है

- **सीबीआई ने कहा, सेंगर को जमानत मिलने से न्याय प्रक्रिया व पीड़िता की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है।**
- **पीड़िता की मां ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की बात कही।**

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। सीबीआई ने उन्नाव दुष्कर्म मामले के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार(16 दिसंबर) को सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन दायर की है, जिसमें दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कुलदीप सेंगर की सजा को निलंबित करते हुए जमानत दे दी गई थी।सीबीआई का कहना है कि सेंगर को जमानत मिलने से न्याय प्रक्रिया और पीड़िता की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट अब इस याचिका पर सुनवाई करेगा।

इससे पहले शुक्रवार को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की मां सहित महिला कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की सजा निलंबित किए जाने के हाईकोर्ट के फैसले के कुछ दिनों बाद किया गया। पीड़िता की मां ने शुक्रवार को कहा थाकि वह दोषी कुलदीप सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगी।

पीड़िता की मां ने भी इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पीड़िता की मां ने कहा कि वह अपनी बेटी के साथ हुए अन्याय के विरोध में यहां आई हैं।उन्होंने कहा, मैं पूरे हाईकोर्ट को दोष नहीं देती, लेकिन दो न्यायाधीशों के फैसले से हमारा भरोसा टूट गया है और मुझे गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पहले न्यायाधीशों ने उनके परिवार को न्याय दिलाया था, लेकिन अब आरोपी को जमानत दे दी गई है।पीड़िता की मां ने कहा, यह हमारे परिवार के साथ अन्याय है। हम उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे, मुझे उस पर पूरा विश्वास है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को कुलदीपसेंगर की उम्रकैद की सजा को अपील लंबित रहने तक निलंबित कर दिया था। कोर्ट ने सेंगर को सख्त शर्तों के साथ जमानत दी, जिसमें पीड़िता के निवास से 5 किलोमीटर की दूरी बनाए रखना, पीड़िता या उसके परिवार को धमकी न देना और 15 लाख रुपये का मुचलका जमा करना शामिल है। सेंगर ने करीब साढ़े सात साल जेल में बिताए हैं। हालांकि, पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के अलग मामले में 10 साल की सजा के कारण सेंगर अभी जेल से बाहर नहीं आ सके हैं।

डॉ. मनमोहन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने देश के आर्थिक विकास को जो दिशा दी वह भारत की समृद्धि का मजबूत आधार बन गया है। खड़गे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर, हम भारत के राष्ट्र निर्माण में उनके अपार योगदान को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं। एक परिवर्तनकारी नेता के रूप में, उन्होंने देश के आर्थिक पथ को नया रूप दिया और आर्थिक सुधारों के माध्यम से लाखों लोगों के लिए अवसरों का विस्तार किया तथा लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। राहुल ने कहा "डॉ. मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। अपने दूरदर्शी नेतृत्व से उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त किया। देश के वंचितों और गरीबों के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों और साहसिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई।" प्रियंका ने कहा "भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री एवं रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। डॉ सिंह समानता में विश्वास रखने वाले, दृढ़ निश्चयी, साहसी और गरिमापूर्ण व्यक्तित्व की मिसाल थे, जो सच्चे अर्थों में देश की प्रगति के लिए समर्पित रहे।"

लखनऊ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आलोचना दो तर्कों पर आधारित है। पहला, जैसा कि कांग्रेस नेता उदित राज और अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा है, भाजपा ने तीन ब्राह्मण नेताओं को चुना, जिनमें से दो तो इस राज्य के निवासी ही नहीं थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पश्चिम बंगाल से थे, जबकि वाजपेयी भी, हालांकि वे उत्तर प्रदेश को अपनी "कर्मभूमि" मानते थे, संयुक्त मध्य प्रदेश के थे। सोशल मीडिया पर यह सवाल भी गर्मा रहा है: भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की विरासत को क्यों नज़रअंदाज़ किया, जिनके कार्यकाल में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी? संयोग की बात है कि जिस क्षेत्र में यह स्मारक स्थापित किया गया है, उसके चारों तरफ बसे गाँवों में लोध जाति का बाहुल्य है तथा कल्याण सिंह भी इसी जाति से थे। एक अन्य चर्चित सवाल यह है: एल.के. आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी, जिन्हें अयोध्या आंदोलन का शिल्पी माना जाता है, इस कार्यक्रम में क्यों नहीं बुलाए गए?

रेगिस्तान को आगे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार बोलती है कि 100 मीटर की पहाड़ी को अरावली पर्वत माना जाएगा। उसके नीचे वाली पहाड़ियों को अरावली पर्वत नहीं माना जाएगा। सचिन पायलट ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा, इन चारों राज्यों में अरावली श्रृंखला में जो पर्वत आते हैं, उनमें से 118000 पर्वत 100 मीटर से कम हैं। 100 मीटर से ज्यादा सिर्फ 1048 पहाड़ हैं। उन्होंने कहा कि चतुराई से कोर्ट से अरावली की पर्वत की परिभाषा को बनवाया गया है। खनन पर बैन लगाने से कुछ नहीं होता, आपकी नीयत साफ होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार बोल रही है हम राज्य को नुकसान नहीं होने देंगे। अरे नुकसान तो हो रहा है। अवैध खनन चल रहा है। आंकड़ों के जाल में लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। एनसीआर में कितना प्रदूषण है। इससे कितना नुकसान हो रहा है। इस नुकसान को ये पहाड़ ही रोकते हैं। ये बात 100 मीटर की नहीं है ये बात आने वाली 100 पीढ़ियों की है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट बोले, आज इस बात पर देश और दुनिया की नजर टिकी है कि राजस्थान और हरियाणा में जो अरावली की पर्वतमाला है, इसके वर्तमान और भविष्य में क्या हाल हैं। अरावली पर्वतमाला सिर्फ एक पहाड़ों का समूह नहीं है। अरावली पूरे उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से को सुरक्षित रखती है। रेगिस्तान पश्चिमी भाग से लगातार हमारी तरफ बढ़ता या पूर्व की तरफ जाता है। उसको अरावली की पहाड़ों ने रोका हुआ है। मानसून हो, खेत खलियान हो, जमीन, पानी हो, जानवर, पशु, पूरे पर्यावरण में लाखों करोड़ों लोगों के लिए सुरक्षा कवच बनकर अरावली पर्वतमाला खड़ी है।

अमेरिका का नाइजीरिया के आईएस ठिकानों पर अटैक

वाशिंगटन, 26 दिसंबर। अमेरिका ने नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमले किये और उनकी शिविरों को निशाना बनाया है। यह जानकारी अमेरिका के सैन्य अधिकारियों ने दी है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ये हमले सोकोतो राज्य में नाइजर के साथ लगी नाइजीरिया की सीमा के पास समूह द्वारा संचालित ठिकानों पर किए गये। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती आकलन से पता चला है कि कई आतंकवादी मारे गए हैं, हालांकि नुकसान की पूरी जानकारी का अभी भी मूल्यांकन किया जा रहा है।

केरल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक हैं। सीपीआईएम के आरपी शिवाजी को 29 वोट मिले और कांग्रेस नेतृत्व वाली यूडीएफ के केएस सबरीनाथन को 19 वोट मिले। एक पार्षद, एक स्वतंत्र विधायक, ने मतदान में भाग नहीं लिया। एक जीत एक अन्य स्वतंत्र पार्षद, पी. राधाकृष्णन के समर्थन से संभव हुई। भाजपा ने दिसंबर 9 के चुनाव में 50 सीटें जीती थीं, जो पार्टी के लिए एक रिकॉर्ड सफलता थी।

गैंग रेप का आरोपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैंग रेप किया गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ उदयपुर, माधुरी वर्मा के नेतृत्व में सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार आईटी कंपनी सीईओ जितेश प्रकाश सिसोदिया, पुत्र कचरूलाल सिसोदिया, निवासी स्काई मरीना अपार्टमेंट, अम्बामाता, गौरव सिरोही, पुत्र शक्तिवीर सिंह सिरोही, निवासी पामयीन सुपरटेक यूपी, हाल हितावा अपार्टमेंट, को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर 29 दिसंबर तक के लिए रिमाण्ड पर लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। आरोपियों द्वारा गैंग रेप की वारदात करने पर पीड़िता ने तीन दिन पूर्व सुखेर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था।

16 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टिप्पणी तब की, जब याचिकाकर्ता एस. विजयकुमार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील केपीएस पलानीवेल राजन ने एक नए आस्ट्रेलियाई कानून का हवाला दिया और कहा भारत को भी ऐसा कानून लागू करना चाहिए।

20 बहादुर बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरुस्कार

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में ये पुरुस्कार प्रदान किए**

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न क्षेत्रों में 18 राज्यों के 20 साहसी बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया है।

मुर्मू ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में एक समारोह में इन बच्चों के उनके असाधारण कार्यों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने पुरस्कार पाने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, अपने समुदायों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मान पाने वाले इन बच्चों से देश के अन्य सभी बच्चे प्रेरित होंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व, सिख पंथ के दसवें गुरु और सभी भारतवासियों के लिए पूजनीय गुरु गोबिन्द सिंह जी और उनके चारों बेटों ने सत्य और न्याय के पक्ष में युद्ध और संघर्ष करते हुए बलिदान दिया था। इस दिन हम सब उनके दो सबसे छोटे साहिबज़ादों का स्मरण करते हैं, जिनकी वीरता का सम्मान देश-विदेश में किया जाता है।

मुर्मू ने कहा "मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि सभी पुरस्कार विजेता बच्चों ने अलग-अलग क्षेत्रों में असाधारण योगदान किये हैं। वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवोचार, विज्ञान तथा तकनीकी, समाज-सेवा और खेल-कूद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आपकी असाधारण बाल-प्रतिभा का परिचय प्राप्त हुआ है।"

उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पुरस्कार पाने वाले बच्चों ने वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनका कहना था कि सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के कारण ही भारत विश्व पटल पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अजय राज और मोहम्मद सिदान पी. ने अपनी वीरता और सूझबूझ से दूसरों की जान बचाकर अत्यंत प्रशंसनीय काम किया है। इसी तरह से नौ वर्षीय बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह वर्षीय बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने अपने साहस से दूसरों की जान बचाते हुए अपने प्राण गंवा दिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह गौरव की बात है कि दस वर्षीय श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े जोखिमों के बावजूद, अपने घर के पास सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नियमित रूप से पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई। वहीं, दिव्यांग बेटी शिवानी होसुरू उप्पारा ने आर्थिक और शारीरिक सीमाओं को पार करते हुए खेल जगत में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अत्यंत प्रतिस्पर्धी और प्रतिभा-समृद्ध क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है और कई रिकॉर्ड स्थापित किए।

महाराष्ट्र की राजनीति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कांग्रेस तो अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है और अब सबकी नज़र एनसीपी पर है, वैसे एक चर्चा यह भी है कि अपनी क्षमता आंकने के लिए हो सकता है, अजीत पवार अकेले चुनाव लड़े।**

एनसीपी विधायकों के साथ भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन में शामिल हो गये थे, और इसके बदले में वे उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे। लेकिन अब वे भाजपा नेतृत्व वाले सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन में हाशिये पर हैं।

अजित पवार ने एनसीपी मुंबई चुनाव अभियान में अपनी पार्टी के चेहरे के रूप में पूर्व मंत्री नवाब मलिक का नाम दिया था, जिसे भाजपा ने सख्ती से नकार दिया। भाजपा ने उन्हें माफिया सरगना दाऊद इब्राहीम से कथित संबंधों के आधार पर खारिज किया।

वास्तविक कारण यह था कि अजित पवार की एनसीपी को मुस्लिम और दलित मतदाताओं से जो समर्थन मिलता, वह भाजपा के कट्टर हिंदू आधार को नाराज कर सकता था।

इस बीच, एक अन्य पारिवारिक पुनर्मिलन में शरद पवार खुद को तीसरे पहिये के रूप में पा रहे हैं। ठाकरे बंधु, उद्धव और राज, जो शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के निधन के बाद 20 सालों तक एक-दूसरे से विरोध में रहे थे, मराठी भाषा के विवाद पर एकजुट हो गये और गठबंधन का ऐलान कर दिया।

लेकिन इस समय तक, शरद पवार और कांग्रेस में से कोई भी राज ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ काम करने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस ने कहा है कि वह बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ेगी और शरद पवार की एनसीपी को एमवीए के सीट-बंटवारे की बातचीत से बाहर कर दिया गया है।

मजेदार बात यह है कि दोनों गठबंधन एनसीपी के दोनो गुटों पर ध्यान जमाये हुए हैं।

क्या इसका मतलब यह है कि चाचा भतीजा एक हो रहे हैं? या अजित पवार 'अकेले चलने' की योजना बना रहे हैं?

इस बारे में चर्चा हो रही है कि बाद वाला विकल्प संभावित है। सूत्रों ने कहा कि इस चुनाव में हार को एक धक्के के रूप में नहीं देखा जाएगा; विचार यह है कि अजित पवार की एनसीपी की ताकत का आकलन एकल मुकाबले में ही किया जाए।

वर्ष 2024 के राज्य चुनाव में उनकी एनसीपी ने 59 सीटों में से 41 सीटें जीतीं, जो एक शानदार परिणाम था। इससे कुछ माह पहले पार्टी लोकसभा चुनाव में हार गई थी, और केवल चार सीटों में से एक ही जीत पायी थी। यदि ऐसा ही परिणाम फिर से आता है, तो यह अजित पवार को घर वापसी पर विचार करने के लिए तैयार कर सकता है। हालांकि इसके लिए दोनों गुटों के मंत्रियों और विधायकों को खुश रखने के लिए व्यापक बातचीत की आवश्यकता होगी।

गुरुवार रात, अणुशक्तिनगर में, जो नवाब मलिक की विधायक बेटी सना मलिक का विधानसभा क्षेत्र है, अजित पवार ने शरद पवार के पोते रोहित पवार से मुलाकात की। पुणे नगर निगम चुनाव के लिए एक समझौता हुआ, हालांकि सीटों के बंटवारे पर कोई बात नहीं हुई।

लेकिन एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि शरद पवार के गुट की ओर से 'घड़ी' चुनाव चिन्ह का फिर से उपयोग करने की मांग का बयान सामने आया था, जिस पर विवाद उस समय सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच गया था, जब यह अजित पवार को आवंटित कर दिया गया था।

यह बयान इस संभावना को बल दे रहा है कि पवार परिवार पुनर्मिलन की पटकथा लिख रहा है।

दिल्ली में 13 राजस्व जिले बने

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। दिल्ली सरकार ने राजधानी के प्रशासनिक नक्शे को नए सिरे से गढ़ ते हुए 13 राजस्व जिलों की व्यवस्था लागू कर दी है। इससे राजस्व जिलों और नगर निगम जोन की सीमाएं एक समान हो गई हैं, जो अब तक प्रशासनिक कामकाज में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई थीं। सरकार का दावा है कि इस फैसले से शासन अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनता के करीब होगा।

राजस्व जिलों और नगर निगम ज़ोन की अलग-अलग सीमाओं के कारण अधिकारियों और आम नागरिकों दोनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब सीमाएं एक जैसी होने से अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रम खत्म होगा और फाइलों के चक्कर भी कम होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह समस्या दशकों से लंबित थी, जिसे उनकी सरकार ने केवल 10 महीनों में सुलझा दिया। भाजपा सरकार ने जून महीने में 11 नगर निगम ज़ोन की जगह 13 राजस्व जिले बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद इस प्रस्ताव पर लगातार काम चलता रहा। 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक बुलाकर इसे अंतिम मंजूरी दी। उपराज्यपाल वी के सक्सेना की सहमति के बाद अब इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

बेगम ज़िया की पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **भारत के लिए अटपटी स्थिति है, क्योंकि, अंतरिम सरकार कट्टरपंथी रूढ़िवादी ताकतों के नियंत्रण में है तथा मोहम्मद युनूस स्वयं कोई स्वतंत्र राजनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं तथा सेना भी काफी हद तक कट्टरपंथियों के प्रभाव में है।**
- **अंतरिम सरकार, कानून-व्यवस्था या हिंसा पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है, इससे हिन्दू ही नहीं आम जनता भी त्रस्त है और अव्यवस्था के कारण, बांग्लादेश अपने टैक्सटाइल के ऑर्डर समय से सप्लाई नहीं कर पा रहा है। टैक्सटाइल निर्यात ही बांग्लादेश की इकॉनमी का आधार है। अगर यह आधार डगमगाया तो बांग्लादेश को भारी झटका लग सकता है।**
- **पर, भारत पर आंतरिक दबाव है, बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही खुल्लम-खुल्ला हिंसा व लूटपाट के खिलाफ कुछ न कुछ अवश्य करे। कुछ करने के लिए भारत की मजबूरी बढ़ रही है।**

बीएनपी की स्थिति काफी नाज़ुक है। एक तरफ वह मुख्यधारा की पार्टी बनकर चुनाव लड़ने और दूसरी तरफ अन्य राजनीतिक संगठनों का सिर्फ एक हिस्सा बनकर रहने के बीच फँसी हुई है, क्योंकि एक तरह से, बीएनपी कट्टरपंथी इस्लामवादियों और मध्यमार्गी मुख्यधारा की पार्टियों के बीच में फंस गई है।

चूँकि, अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया है, इसलिए चुनाव एक अजीब और एकतरफा हो गया है, जहाँ ज़्यादातर मुकाबला ज़्यादा कट्टरपंथी और छोटे दलों के बीच रह गया है। इस राजनीतिक माहौल में बीएनपी कहीं खो सी जाती है, हालांकि शहरी इलाकों में वह अब भी अपने पाँव जमाने की कोशिश कर रही है। पार्टी को बरसों तक बेगम ज़िया ने काफ़ी कुशलता से चलाया था, उस समय भी जब वह सत्तारूढ़ अवामी लीग की कार्रवाईयों का सामना कर रही थी। यह मानना पड़ेगा कि अपने सुनहरे दिनों में अवामी लीग भी राजनीतिक विरोधियों के साथ निपटने में बहुत निष्पक्ष नहीं थी।

लेकिन जब अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को चुनाव में भाग लेने से प्रतिबंधित किया था, तब बीएनपी ने इस प्रतिबंध को हटाने की माँग की थी और अवामी लीग की चुनाव में भागीदारी का समर्थन किया था, हालांकि बाद में पार्टी का रुख कुछ ठंडा पड़ गया और अवामी लीग के प्रति सख़्त विरोध के संदर्भ में पार्टी कुछ हद तक नरम पड़ गई।

मौजूदा परिदृश्य में अंतरिम सरकार पर कट्टरपंथी गुटों का सख़्त दबाव है। मोहम्मद यूनुस अपने स्तर पर फ़ैसले नहीं ले पा रहे हैं और सेना भी किसी हद तक कट्टरपंथियों के प्रभाव में दिखाई दे रही है।

लेकिन जिस तरह से बांग्लादेश की स्थिति बिगड़ती जा रही है, वह भारत के लिए भी एक कठिन स्थिति बन सकती है। बांग्लादेश में बढ़ती असहिष्णुता और अल्पसंख्यकों, खास तौर पर हिंदुओं, की हत्याओं के कारण भारत के लिए इन घटनाक्रमों को पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो रहा है। ये भारत के लिए गंभीर उकसावे हैं और देर-सबेर कोई ऐसा मोड़ आ सकता है जो भारत को कार्रवाई के लिए मजबूर कर दे।

एक तो, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार देश में हिंसा और आगज़नी को काबू में करने में अपनी बेबसी दिखा रही है। बिगड़ती क़ानून-व्यवस्था न सिर्फ़ अल्पसंख्यकों बल्कि पूरी आबादी के लिए ख़तरा बनती जा रही है।

इसके साथ ही आर्थिक हालात भी बिगड़ रहे हैं और बांग्लादेश कपड़ा निर्यात के अपने सप्लाई अनुबंधों की समय-सीमा पूरी करने में नाकाम हो रहा है। यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है और अगर कपड़ा उद्योग चरमरा गया तो पूरी अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लग सकता है।

ऐसे हालात में भारत, बांग्लादेश के लिए ज़रूरी सप्लाई रूट और कुछ अहम लॉजिस्टिक जीवनरेखाओं को रोक कर उसके लिए गंभीर मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

अब देखना होगा कि भारत, बांग्लादेश के बढ़ते भारत-विरोधी रुख और हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याओं के साथ कब तक संयम रख पाता है। भाजपा पर भी भीतर से दबाव बढ़ रहा है कि कम से कम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाए।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908